आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 18 मई 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 172

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

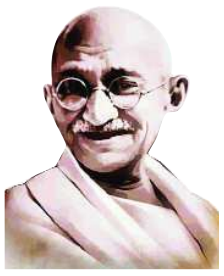

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

फेयरवेल पार्टी में बवाल आईईटी हॉस्टल में तोड़फोड़

पेज-2

केवल लोकप्रियता ही सफलता नहीं होती-उर्वशी

पेज-5

70 टैंकर भराए लेकिन रजिस्टर से रिकॉर्ड गायब

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- गिरावट के साथ खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 800 अंक गिरा
- छपरा गोमती नगर एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में मिला अज्ञात महिला का शव
- बहराइच सड़क हादसे में 4 की मौत, 2 घायल
- बिहार : सासाराम स्टेशन पर खड़ी ट्रेन में लगी आग
- यूएई : बराकाह न्यूक्लियर पावर प्लांट पर ड्रोन हमला
- राहुल गांधी और प्रियंका गांधी केरल के लिए रवाना हुए, नई सरकार के शपथग्रहण समारोह में होंगे शामिल
- यूपी : फतेहपुर में गैस सिलेंडर लीकेज से घर में लगी आग, एक ही परिवार के 9 लोग झुलसे
- मेक्सिको : हथियारबंद हमले में एक नाबालिग समेत 10 लोगों की मौत
- यूक्रेन के ड्रोन्स ने रूस के मॉस्को पर हमला किया : जेलेंस्की
- मुंबई के धारावी स्थित अशोक मिल कंपाउंड में लगी भीषण आग
- पाकिस्तानी मंत्री मोहसिन नकवी ने तेहरान में ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान से बातचीत की

सुपर अल नीनो एक्टिव होने, सर्दी तक रहने की संभावना, कमजोर पड़ सकता है मानसून

मई से जुलाई तक सूखा-भीषण गर्मी पड़ने की आशंका!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भारत में इस साल सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बीच सुपर अल-नीनो भी एक्टिव हो सकता है। अमेरिकी मौसम एजेंसी नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (नोआ) के अनुसार यह मई-जुलाई के दौरान ही दस्तक दे सकता है। नोआ ने बताया कि प्रशांत महासागर का तापमान इस बार मई में सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

यह गर्मी की स्थिति इस बार पूरे मानसून सीजन के दौरान बनी रह सकती है। पिछले महीने जारी अनुमान में यह संभावना 61 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 82 प्रतिशत हो गई है। भारतीय मौसम विभाग के चीफ मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि इसका सीधा असर मानसून की बारिश पर पड़ेगा। इससे देश में सूखे का खतरा और ज्यादा बढ़ जाएगा। अल नीनो के कारण समुद्र का पानी असमान्य रूप से गर्म हो जाता है, जिसके साथ हवा के पैटर्न में भी बदलाव आता है। इसके असर से दुनियाभर में बारिश का चक्र बिगड़ जाता है। कहीं भयंकर सूखा तो कहीं मूसलाधार बारिश और बाढ़ आती है। सीधे शब्दों में कहें तो जब अल-नीनो एक्टिव होगा, तब प्रशांत महासागर से भारत की तरफ आने वाली मानसूनी हवाओं को रोक देगा। इससे बारिश पर असर पड़ेगा। नोआ के नए अपडेट के मुताबिक इस साल मई से जुलाई के दौरान सुपर अल नीनो डेवलप होने की 82 प्रतिशत संभावना है। इसके सर्दियों (दिसंबर 2026 से फरवरी 2027) तक जारी रहने की 96 प्रतिशत आशंका है।

मध्य प्रदेश में कम बारिश का अनुमान

मध्य और पश्चिम भारत में जहां अच्छी बारिश होती है वहां भी सामान्य से कम बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश में इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर और नर्मदापुरम संभागों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। वहीं, उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत के हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति बनने का सबसे ज्यादा खतरा है, जिससे लंबे सूखे और कृषि नुकसान की आशंका बढ़ सकती है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान अगस्त-सितंबर के दौरान सबसे संवेदनशील राज्यों में माने जा रहे हैं। हालांकि लद्दाख, राजस्थान के कुछ हिस्से, तेलंगाना, साथ ही उत्तर भारत के कुछ हिस्से में इसका असर कम होगा।

लू की चेतावनी देने का तरीका बदलेगा

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) देश में हीटवेव अलर्ट जारी करने के नियम बदलने की तैयारी में है। विभाग का कहना है कि मौजूदा नियम देश के अलग-अलग इलाकों, खासकर केरलम के मौसम के मुताबिक असरदार नहीं हैं। इस साल केरलम में तेज गर्मी और उमस है। पहली बार कर्नाटक-महाराष्ट्र तट के पास बने एंटी-साइक्लोन सिस्टम के आधार पर मौसम का अनुमान लगाना पड़ा। आईएमडी के मुताबिक केरलम में हीट स्ट्रोक के कई केस सामने आए, लेकिन मौजूदा नियमों के कारण हीटवेव की चेतावनी जारी करना मुश्किल था।

बड़ी सर्जरी की तैयारी : खराब परफॉर्मर वाले जिला अध्यक्षों की होगी छुट्टी!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। प्रदेश में निष्क्रिय और खराब परफॉर्मर वाले जिला अध्यक्षों की छुट्टी हो सकती हैं। इसे लेकर ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी रिपोर्ट तैयार कर रहा है।

रिपोर्ट के बाद चर्चा होगी। इसके बाद वन टू वन चर्चा के बाद एक्शन होगा। दरअसल, संगठन सृजन में कई जिला अध्यक्षों को जिम्मेदारी मिली थी। अब निष्क्रिय और खराब परफॉर्मर वाले जिला अध्यक्षों की छुट्टी होगी। इसे लेकर एआईसीसी रिपोर्ट तैयार कर रहा है। इस संबंध में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि संगठन सृजन के मूल सिद्धांत पर काम हो रहा है। कनेक्टिव सेंटर से काम कर रहे हैं। एक्टिवेशन के लिए एक्शन ले रहे हैं।

सीएनजी के बढ़े दामों पर विपक्ष का हमला

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने सीएनजी के बढ़े दामों को लेकर निशाना साधा हैं। उन्होंने कहा कि मोदी राज में जनता अब छाती पीट रही है। 2014 में कहा था कि डीजल पेट्रोल का रेट कम होगा। इन्होंने कहा था कि हर एक के अकाउंट में 15 लाख आएंगे। दो करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। सब उल्टा चल रहा है। कमर्शियल सिलेंडर के रेट बढ़ गए। दूध महंगा हो गया। सीएनजी महंगी हो रही है। विदेश नीति और आर्थिक नीति सब फेल है। यह इसलिए सब हो रहा है, देश में अब अराजकता जैसा माहौल है।

युवाओं को साधने पर कही ये बात

वहीं पीसी शर्मा ने कहा कि कांग्रेस युवाओं की है। संगठन सृजन के बाद लगातार कांग्रेस यूथ वोटर तक पहुंच रही है। नई प्लानिंग के तहत हम युवाओं से संवाद कर रहे हैं। उनके बीच में पहुंच रहे हैं। लगातार युवाओं की लड़ाई को भी लड़ रहे हैं। युवा किसानों की समस्या की बात हो, नीट परीक्षा मामला हो, मोदी गारंटी मामला हो, युवाओं को यह भी बता रहे कि दिल्ली की सरकार अगर ऐसी चलती रही तो भविष्य खतरे में होगा। यह महामारी है, इसे टिकना होगा।

वाहनों का काफिला लेकर रैलियां निकालने वाले नेता आज रखेंगे पक्ष

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत और वाहन काफिलों पर संयम की अपील की अनदेखी करने वाले भाजपा नेता सोमवार को सरकार और संगठन के सामने अपना पक्ष रखेंगे। प्रदेश में बड़े वाहन काफिलों के साथ रैलियां निकालने वाले नेताओं को 17 मई को भोपाल तलब किया गया था, लेकिन मंत्रियों के साथ वन-टू-वन चर्चा के चलते अब इन्हें सोमवार को बुलाया गया है। पूछताछ के बाद इनकी रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को भेजी जाएगी।

दरअसल, भाजपा हाईकमान ने प्रदेश संगठन से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री की 10 मई की अपील के बाद भी मप्र में 8-9 स्थानों पर बड़े वाहन काफिलों के साथ स्वागत रैलियां निकाली गई। इसे सीधे पीएम की अपील की अवहेलना माना जा रहा है। प्रदेश भाजपा ने तत्काल कदम उठाते हुए संबंधित नेताओं को भोपाल बुलाया है। बैठक में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल मौजूद रहेंगे।

कलेक्टर की अभिनव पहल

टीएल बैठक होगी वर्चुअल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनज़र लिए गए निर्णयों के परिपालन में इंदौर जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल की गई है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने प्रति सप्ताह सोमवार को आयोजित होने वाली समीक्षा बैठक को वर्चुअल माध्यम से आयोजित करने का निर्णय लिया है।

इसी क्रम में आज सोमवार को आयोजित होने वाली समय-सीमा पत्रों के निराकरण संबंधी टीएल बैठक वर्चुअल रूप से आयोजित की जा रही है। सामान्यत: इस बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के बड़ी संख्या में अधिकारी कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर शामिल होते हैं, अब कलेक्टर कार्यालय स्थित विभागों के अधिकारियों को छोड़कर अन्य विभागों के अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से बैठक में सहभागिता करेंगे।

भीषण आग...

इंदौर। खजराना थाना क्षेत्र के कर्बला इलाके में स्थित एक टेंट हाउस के गोदाम में देर रात भीषण आग लग गई। घटना आज अलसुबह 6 बजे की बताई जा रही है। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते आसपास के कई गोदाम इसकी चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगने के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसमान में दूर तक धुएं का गुबार दिखाई देने लगा। गोदामों में बड़ी मात्रा में टेंट सामग्री और ज्वलनशील सामान रखा होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मी लगातार आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन आग की तीव्रता के कारण काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। **फोटो : दैनिक इंदौर संकेत**

कृष्णपुरा छतरियों को निहारने के लिए लेना होगा टिकट

ट्रस्ट बोला- फालतू भीड़ को छांटने के लिए लगाया जाएगा 20 रुपए शुल्क

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की ऐतिहासिक पहचान और होलकरकालीन वास्तुकला का अहम हिस्सा रही कृष्णपुरा छतरियों को देखने अब पर्यटकों को टिकट लेना होगा। राजबाड़ा क्षेत्र स्थित इन ऐतिहासिक छतरियों में प्रवेश के लिए अब शुल्क तय कर दिया गया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार खासगी ट्रस्ट ने यह निर्णय परिसर की बेहतर देखरेख, साफ-सफाई और संरक्षण के उद्देश्य से लिया है।

ट्रस्ट के मुताबिक लंबे समय से यहां अव्यवस्थित आवाजाही, अनावश्यक भीड़ और परिसर में अनुशासनहीन गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। ऐसे में अब हर पर्यटक से प्रवेश शुल्क लिया जाएगा, ताकि व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके और धरोहर के संरक्षण के लिए स्थायी संसाधन जुटाए जा सकें। नई व्यवस्था के तहत अब प्रत्येक पर्यटक को कृष्णपुरा छतरियों में प्रवेश के लिए 20 रुपए का टिकट लेना होगा। ट्रस्ट का दावा है कि इसके बाद परिसर में अनावश्यक भीड़ और बेवजह बैठने वालों की संख्या में कमी आई है। इतना ही नहीं, परिसर में होने वाली शूटिंग और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भी अलग शुल्क निर्धारित किया गया है। कृष्णपुरा छतरियों के समूह में केवल कृष्णाबाई होलकर की छतरी राज्य पुरातत्व विभाग के अधीन है, जबकि शिवाजीराव होलकर, तुकोजीराव होलकर द्वितीय सहित अन्य खासगी ट्रस्ट के अधीन आती हैं। ट्रस्ट द्वारा अब इन ऐतिहासिक संरचनाओं के संरक्षण और सौंदर्गीकरण को लेकर विशेष योजना भी तैयार की गई है, जिस पर काम शुरू कर दिया गया है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद परिसर में निगरानी बढ़ाई गई है।

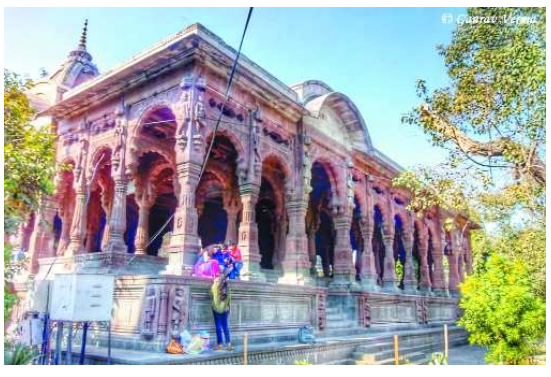

राजीव गांधी का नाम हटाने की बात पर भड़की कांग्रेस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में तकनीकी शिक्षा संचालित करने वाली यूनिवर्सिटी RGPV से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नाम हटाये जाने की चर्चा के बीच कांग्रेस ने इसपर कड़ी आपत्ति जताई है, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसे लेकर राज्य सरकार को घेरा है और गंभीर आरोप लगाये हैं

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसपर रिएक्शन दिया है उन्होंने एक्स पर लिखा- भाजपा इतिहास मिटाने की राजनीति कर सकती है, लेकिन देश राजीव गांधी के योगदान को कभी नहीं भूल सकता।भाजपा को राजीव गांधी से इतनी परेशानी क्यों है? उमंग सिंघार ने कहा- भोपाल की आरजीपीवी यूनिवर्सिटी का नाम बदलना सिर्फ एक प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि भाजपा की वही पुरानी राजनीति है, काम कम, नाम बदलो ज़्यादा। सवाल यह है कि आखिर भाजपा को राजीव गांधी से इतनी परेशानी क्यों है? क्या इसलिए कि देश के डिजिटल और तकनीकी भारत की बुनियाद कांग्रेस सरकारों ने रखी थी?

नाम बदलने से न यूनिवर्सिटी बेहतर होगी, न युवाओं को नौकरी मिलेगी

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- 22 साल से मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार है, शिक्षा व्यवस्था बदहाल, विश्वविद्यालय संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, युवाओं को रोजगार नहीं... लेकिन सरकार का फोकस सिर्फ नाम बदलने पर है। नाम बदलने से न यूनिवर्सिटी बेहतर होगी, न युवाओं को नौकरी मिलेगी, न शिक्षा की गुणवत्ता सुधरेगी।

न्यूज ब्रीफ

शफी पटेल गुड्डा के सम्मान में शानदार मुबारकबाद महफिल का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नायता मुंडला से हज की मुकद्दस यात्रा पर रवाना हो रहे समाजसेवी शफी पटेल गुड्डा के सम्मान में एक शानदार और रूहानी महफिल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के कई वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी एवं गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और उन्हें मुबारकबाद पेश करते हुए उनके सफर की कामयाबी और आसानी के लिए दुआएं कीं।

हार्ट के लिए पांच सुपरफूड्स अपने हृदय को रखें मजबूत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज की तेज़-रफ्तार जिंदगी में ख़राब जीवनशैली और प्रोसेस्ड फूड्स पर बढ़ती निर्भरता के कारण उच्च कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लड प्रेशर और अन्य हृदय संबंधी समस्याएँ आम होती जा रही हैं। हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने की शुरुआत सही पोषण से होती है, और बादाम, फैटी फिश, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, दालें तथा फल जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल करना महत्वपूर्ण अंतर ला सकता है। कैलिफोर्निया बादाम में रोज़ाना की डाइट में एक मुट्ठी बादाम शामिल करना एक अच्छी शुरुआत हो सकती है, क्योंकि यह पोषक तत्वों से भरपूर और एक हेल्दी सुपरफूड है। बादाम में विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन, जिंक सहित 15 आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं।

वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने शुरू किया 2026 समर फीस्टा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी (डब्ल्यूबीडी) भारतीय बच्चों के मनोरंजन के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत बनाते हुए 2026 की गर्मियों के लिए लेकर आए हैं समर फीस्टा, जो कंपनी की सबसे बड़ी स्थानीय कंटेंट पहल है। साथ ही इसके दो मशहूर एवं प्रमुख ब्राण्ड्स- पोगो और कार्टून नेटवर्क पर भारत में बने दो ओरिजिनल आईपी भी लॉन्च किए गए हैं। तीन किड्स एंटरटेनमेन्ट चैनलों पर 200 से अधिक नए एपिसोड्स के साथ यह पहल भारत की अपनी रचनात्मक प्रतिभा और ओरिजिनल आईपी के विकास में निवेश के द्वारा अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करने की वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

निरुपमा सुंदरराजन चेयरपर्सन नियुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत की डिजिटल प्रेशियस मेटल्स इंडस्ट्री ने साथ मिलकर डिजिटल प्रेशियस मेटल्स एश्योरेंस काउंसिल ऑफ इंडिया का गठन किया है। यह एक सेल्फ-रेगुलेटरी ऑर्गनाइजेशन है, जिसका उद्देश्य भारत के डिजिटल मेटल इकोसिस्टम में पारदर्शिता, संचालन की विश्वसनीयता और कंज्यूमर प्रोटेक्शन सुनिश्चित करना है। डिजिटल प्रेशियस मेटल इंडस्ट्री को एक नया आयाम देने के लिए, सार्वजनिक नीति की विशेषज्ञ निरुपमा सुंदरराजन को DPMACI का स्वतंत्र चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। उनके नेतृत्व में, यह ऑर्गनाइजेशन न केवल सख्त नियम लागू करेगा।

डीएवीवी प्रशासन सख्त : दोषी छात्रों पर आर्थिक दंड और अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी

फेयरवेल पार्टी में बवाल, आईईटी हॉस्टल में तोड़फोड़

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डीएवीवी के इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) के रामानुजनम बॉयज हॉस्टल में रविवार अलसुबह फेयरवेल सेलिब्रेशन के दौरान अंतिम वर्ष के छात्रों ने जमकर हंगामा और तोड़फोड़ की। संस्थान में हुई घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवि प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि सुबह करीब चार बजे के बाद हॉस्टल परिसर में छात्र अर्द्धनग्न अवस्था में दारू बदनाम कर दी... गाने पर डांस कर रहे थे। कुछ छात्र हॉस्टल की पहली मंजिल से नीचे खड़े छात्रों पर पानी

से भरी बाल्टियां फेंकते नजर आए, जबकि अन्य छात्र परिसर में शोर-शराबा करते हुए नाचते दिखाई दिए। हंगामे के दौरान छात्रों ने हॉस्टल की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया। प्लास्टिक की कुर्सियां और टेबल तोड़ दी गईं। खिड़कियों के कांच फोड़ दिए गए और फर्नीचर परिसर में इधर-उधर फेंक दिया गया।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री को लिखा पत्र- मामले को लेकर डीएवीवी कार्यपरिषद सदस्य डॉ. एके द्विवेदी ने कुलगुरु को पत्र लिखकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया, साथ ही उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिह परमार, राज्यपाल मंगू पटेल और मुख्यमंत्री को भी पत्र भेजकर विश्वविद्यालय हॉस्टलों में अनुशासन व्यवस्था मजबूत करने की मांग की गई है। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में आईईटी में रैगिग और हॉस्टल में तोड़फोड़ की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं।

डीएवीवी हॉस्टल में शर्मनाक घटना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला कांग्रेस सेवादल के कार्यवाहक अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के आईआईटी हॉस्टल में हुई शर्मनाक घटना को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अखबारों में प्रकाशित खबर ने पूरे इंदौर और डीएवीवी की प्रतिष्ठा को शर्मसार कर दिया है। नशे में धुत छात्रों ने करीब दो घंटे तक हॉस्टल में जमकर उत्पात मचाया, कुर्सियां-टेबल तोड़ीं,पानी की टंकियां फोड़ीं और भारी तोड़फोड़ की। खबर में यह भी उल्लेख है कि पिछले दो वर्षों में रैगिंग, मारपीट और हंगामे की 14 घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

देपालपुर के चौबीस अवतार मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा में झूमे भक्त

करण महाराज ने बिखेरा भक्ति का रस

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● पावन अधिक मास के शुभ अवसर पर भगवान श्री लक्ष्मी नारायण के आशीर्वाद और पूज्य गुरुदेव की कृपा से श्री चौबीस अवतार मंदिर महातीर्थ, देपालपुर में सात दिवसीय भव्य श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव आज से प्रारम्भ हुई। इस धार्मिक अनुष्ठान की शुआत कलश यात्रा से हुई जिसमे सेकड़ो महिलाए पुरुष श्रद्धालुओं ने शामिल हुए और कथा श्रवण का लाभ लिया। यह महोत्सव आगामी 23 मई तक अनवरत जारी रहेगा।

आज से प्रारम्भ हुई इस पावन कथा के प्रथम दिन व्यासपीठ पर विराजमान परम पूज्य श्री करण जी महाराज ने अपने मधुर एवं ज्ञानवर्धक प्रवचनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने भागवत महात्म्य का वर्णन करते हुए जीवन में भक्ति के महत्व को रेखांकित किया। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक

निर्धारित किया गया है। इस भव्य धार्मिक आयोजन के आयोजक क्षेत्र के समस्त ग्रामवासी हैं। आज से प्रारम्भ हुई इस कथा को भव्य रूप देने में मुख्य रूप से हरनासा, बरोदापंथ, जलोदिया पंथ, खडी, गिरोडा,तकीपुरा, चांदेर, बेगन्दा, खजराया, पिपलोदा, बड़ोली,उषापुरा, गोहान, डॉसरी, कराडिया, खतेडिया, बोरिया, अरणिया, मांगलिया, अजनोटी, रिंजलाय सहित आसपास के ग्रामों के सेकड़ो श्रद्धालू शामिल हुए।

इंदौर की मेंटरशिप में देपालपुर नगर बन रहा स्वच्छता का मॉडल, निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्वच्छ शहर अभियान के अंतर्गत इंदौर नगर निगम द्वारा मेंटर सिटी के रूप में देपालपुर नगर परिषद को स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में लगातार तकनीकी सहयोग दिया जा रहा है। इसी कड़ी में निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने देपालपुर का दौरा कर स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों का निरीक्षण किया।

विभिन्न स्थलों का किया निरीक्षण- आयुक्त सिंघल ने शहर के रेजिडेंशियल एवं कमर्शियल क्षेत्रों, ट्रेंचिग ग्राउंड, स्कूल, गार्डन, कम्युनिटी टॉयलेट, पब्लिक टॉयलेट, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था, श्रीआर सेंटर और जल स्त्रोतों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को स्वच्छ सर्वेक्षण

प्रोटोकॉल के अनुसार लंबित कार्य तय समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

4-वे सेग्रीगेशन पर जोर-देपालपुर में नगर निगम के मार्गदर्शन में सभी 15 वार्डों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को मजबूत किया गया है। गीला, सूखा, सैनिटरी और घरेलू खतरनाक कचरे के पृथक्करण के लिए जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। वर्तमान में 3269 घरों और 868 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से नियमित कचरा संग्रहण किया जा रहा है। इसके लिए छह वाहनों से अलग-अलग कचरे का परिवहन किया जा रहा है।

कृषि रथ का जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने किया वर्चुवली शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● किसानो को आधुनिक कृषि तकनीकी वैज्ञानिक सलाह देने के उद्देश्य से इंदौर जिले के विकासखण्ड सांवेर में कृषि रथ का वर्चुवली शुभांरभ जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने जनपद पंचायत परीसर सांवेर से किया, कृषको को वर्चुवली संबोधित करते हुये जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि किसानो के हित में यह बहुत बडा अभियान है, इससे किसानो को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने मे मदद मिलेगी साथ ही उन्होने हाल ही में केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा किसानो के हित में लिये गये निर्णयो की जानकारी भी दी । कार्यक्रम की शुरूआत में उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला इंदौर से सी.एल. केवडा ने बताया कि म.प्र. शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास के निर्देश पर आगामी 10 दिनो के लिये कृषि रथ जिले की सभी ग्राम पंचायतो मे आयोजित किया जावेगा।

पांचवी मंजिल से गिरे जूनियर डॉक्टर की मौत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज के बॉयज हॉस्टल में रविवार देर रात एक पीजी डॉक्टर की मौत हो गई। डॉक्टर का शव हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से गिरने के बाद परिसर में मिला। पुलिस आत्महत्या और हादसे दोनों पहलुओं से जांच कर रही है।

रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे एमजीएम बॉयज हॉस्टल परिसर के ब्लॉक नंबर-5 के पास डॉक्टर का शव मिला। घटना के बाद हॉस्टल परिसर में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान डॉ. अमन पटेल (30) के रूप में हुई है। वे मेडिसिन विभाग में फाइनल ईयर के पीजी स्टूडेंट थे। कुछ महीनों में उनका पीजी कोर्स पूरा होने वाला था। उन्होंने एमबीबीएस की पढ़ाई जबलपुर से की थी। वह जबलपुर के ही रहने वाले थे। सूचना मिलते ही संयोगितागंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि आत्महत्या और हादसे दोनों बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भीषण गर्मी में दाऊदी बोहरा समुदाय ने 18 हज़ार लोगों को बांटी ठंडी छाछ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में इस बार की गर्मी ने पिछले कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और तापमान 45°C के पार पहुंच गया है। ऐसे में दाऊदी बोहरा समुदाय ने शहरभर में 'बीट द हीट' अभियान चलाकर लोगों को राहत पहुंचाने का काम किया। इस दौरान रोज़ कमाने वाले मजदूरों, राहगीरों और तेज़ धूप में बाहर रहने को मजबूर लोगों को 18,000 से ज़्यादा गिलास ठंडी छाछ बांटी गई। यह अभियान 300 से ज़्यादा वॉलंटियर्स की मदद से शहर की 11 प्रमुख जगहों पर चलाया गया। यहां सड़क किनारे काम करने वाले लोगों, मजदूरों और अन्य ज़रूरतमंदों को गर्मी से तुरंत राहत देने का प्रयास किया गया। सिलिकॉन सिटी चौराहा, रीजनल पार्क चौराहा, पलासिया चौराहा, टावर चौराहा, माथुरावाला चौराहा, पलसीकर चौराहा, महू नाका चौराहा, चंदन नगर चौराहा, राजवाड़ा चौक, हाई कोर्ट चौराहा डीपी ज्वेलर्स और राऊ बस स्टैंड जैसी जगहों को शामिल किया गया।

बाबा लोकनाथ कला सम्मान प्रदान,निकाली पालकी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर का प्रतिष्ठित बाबा लोकनाथ कला सम्मान समारोह शनि जयंती के अवसर पर हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। वही रविवार को संध्या समय शनि देव पालकी में सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकले। शनि जयंती के पर्व पर सुबह से देर रात्रि तक भक्तों की रही भीड़, वही रात्रि 2 बजे तक आते रहे भक्त।

इस वर्ष बाबा लोकनाथ कला सम्मान मुंबई के प्रसिद्ध अभिनेता साईं बाबा सीरियल फेम लोकप्रिय श्री मुकुल नाग को वर्ष

2024 व इंदौर के प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक और लेखक सुरेश वर्मा बंजारिया को दिया गया। दादू महाराज संस्थान द्वारा वर्ष 2008 से आयोजित यह सम्मान आसाम के प्रसिद्ध संत बाबा लोकनाथ के नाम से संगीत, कला, अभिनय, नृत्य, लेखन आदि के क्षेत्र में यह पुरस्कार दिया जाता है। इस अवसर पर अभिनेता मुकुल नाग ने श्री कृष्ण धारावाहिक में किए अपने सुदामा चरित्र का कृष्ण सुदामा मिलन का एक अंश सभी श्रद्धालुओं के सामने प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कि दादू महाराज संस्थान से यह प्रतिष्ठित सम्मान पाकर मैं अपने आप को सौभागशाली मानता हूं।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● चुनाव खत्म होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वसूली शुरू! पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, दूध में हुई मूल्य वृद्धि से आम जनता पर पड़ेगा अतिरिक्त बोझ शहर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री को बताया महंगाई मैन, दो पहिया वाहनों पर फूलों की माला चढ़ाकर दी श्रधांजलि।

सरयू पारी ब्राह्मण समाज द्वारा सकोरो का वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सरयू पारी ब्राह्मण समाज क्या अध्यक्ष निर्मल दुबे और सचिव पंकज पांडे ने बताया कि वर्तमान समय में इतनी गर्मी पड़ रही है ऐसी स्थिति में पक्षियों के लिए दाने और पानी की व्यवस्था हेतु 101 सेक्सोरो का वितरण किया गया जिसमें मुख्य अतिथि 56 दुकान के मधुराम स्वीट्स के संचालक पण्डित श्याम शर्माजी औरपण्डित गोपाल जी शर्मा मौजूद रहे।

इंदौर। शौर्य संकल्प प्रशिक्षण का शुभारंभ 200 चयनित विद्यार्थीयों को पुलिस एवं सैना भर्ती में प्रशिक्षित किया जाएगा।

मप्र योग आयोग के अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र शर्मा के प्रथम इंदौर आगमन पर भव्य स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश योग आयोग के अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र शर्मा के प्रथम इंदौर नगरागमन पर स्कूल शिक्षा विभाग के व्यायाम शिक्षक एवं योग प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग की जिला शिक्षा अधिकारी डॉ शांता स्वामी भार्गव के नेतृत्व में जिला क्रीड़ा अधिकारी विक्रांत अखरे, जिला योग प्रभारी हेमंत सिंह पंवार,व्यायाम शिक्षक झम्मन सिंह चौहान, शिक्षक संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार, महावीर मालवीय, राहुल बछोतिया, जगदीश जोशी, अनिल परमार एवं संजय वर्मा द्वारा पुष्प मालाओं से नव नियुक्त अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र शर्मा का स्वागत किया गया।

भूजल स्तर घटने से उद्योगों को टैंकरों की ओर रुख करना पड़ रहा है, उत्पादन लागत बढ़ रही है

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● औद्योगिक क्षेत्रों में गिरते भूजल स्तर के कारण, जो उद्योग पहले बोरवेल के पानी पर निर्भर थे, उन्हें गर्मी के चरम महीनों के दौरान परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बाहरी आपूर्ति पर अधिक निर्भर होना पड़ रहा है।

पाल्दा, पीथमपुर और सांवेर रोड जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित उद्योगों ने बताया कि गिरते जलस्तर और बोरवेल से कम पानी मिलने के कारण औद्योगिक गतिविधियां प्रभावित होने लगी हैं, और कई इकाइयां अब परिचालन जारी रखने के लिए प्रतिदिन कई पानी के टैंकर मंगवा रही हैं।

सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र के एक उद्योगपति तरुण व्यास ने कहा, 'पहले कई उद्योग अपनी अधिकांश जल आवश्यकता बोरवेल के पानी से पूरी कर लेते थे। लेकिन गिरते भूजल स्तर के कारण पानी की उपलब्धता कम हो गई है और उद्योग अब पानी के टैंकरों पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) ने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण, मिठाई, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग, पैकेजिंग और दाल मिलें जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं, क्योंकि उत्पादन के लिए निर्बाध जल आपूर्ति अत्यंत महत्वपूर्ण है। उद्योगपतियों ने कहा कि टैंकर आपूर्ति पर निर्भरता ने परिचालन लागत बढ़ा दी है और दैनिक कार्यों में नई अनिश्चितता पैदा कर दी है।

उद्योगों ने यह भी कहा कि उच्च टीडीएस स्तर कंपनियों को अतिरिक्त निस्पंदन और उपचार प्रणालियों में निवेश करने के लिए मजबूर कर रहे हैं, जिससे लागत का बोझ और बढ़ रहा है। औद्योगिक निकायों ने बार-बार होने वाली गर्मी की रुकावटों से बचने के लिए पाइपयुक्त जल अवसंरचना को मजबूत करने, भूजल पुनर्भरण पहलों और बेहतर औद्योगिक जल आपूर्ति प्रणालियों सहित दीर्घकालिक समाधानों की मांग की है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 18 मई 2026

'जेना एआई' फायर फाइटिंग रोबोट तैनात

जहां इंसान नहीं पहुंच सकता वहां आग बुझाता है

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 2 करोड़ रुपए का फायर फाइटिंग रोबोट है, जो आग बुझाने का काम करता है। ये रोबोट रिमोर्ट ऑपरेटेट है। खास बात यह है कि इसमें कैमरा भी लगा है, जिससे वह किस दिशा में जा रहा है, आगे क्या है, यह मॉनिटर पर साफ देखा जा सकता है। यह उस जगह आग बुझाने में मदद करता है, जहां एक व्यक्ति या कहे कि दमकलकर्मी का खड़े रहना भी मुश्किल हो जाता है। पिछले करीब एक महीने पहले ही यह इंदौर नगर निगम के पास आया है। यह कई जगह इस्तेमाल भी हो चुका है और आग बुझाने में काफी कारगर भी साबित हुआ है। फायर फाइटिंग रोबोट की बात करें तो ये पूरी तरह से रिमोर्ट ऑपरेटेट है। रोबोट में दो बड़ी बैटरियां लगी हैं, जिससे यह चलता है। यह एक टैंक की तरह है, जो पथरीले रास्तों से भी आसानी से निकल जाता है।जिस तरह एक ड्रोन कैमरे के रिमोर्ट में एक छोटी डिस्प्ले लगी होती है, उसे तरह इसके रिमोर्ट में भी एक डिस्प्ले लगी होती है, जो लाइव चीजे डिस्प्ले पर दिखाता है। इस रोबोट की मदद से जिससे आगे क्या कुछ घट रहा है या चल रहा है वह रिमोर्ट के डिस्प्ले में नजर आता है।

इस रोबोट के आने के बाद फायर विभाग के नगर निगमकर्मियों को इसे चलाने की ट्रेनिंग भी दी गई, जिससे ये इसे आसानी से ऑपरेट कर सके।जयपुर स्थित भारतीय रोबोटिक्स कंपनी क्लब फर्स्ट रोबोटिक्स प्रा.लि. द्वारा विकसित अत्याधुनिक जेना एआई फायर फाइटिंग रोबोट इंदौर में तैनात किया गया है। जेना एआई आधारित फायर फाइटिंग रोबोट्स

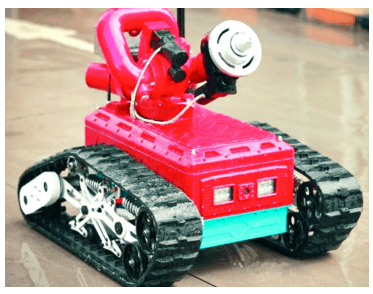

में से एक है।यह एक अनमैन्ड ग्राउंट व्हीकल आधारित रोबोटिक सिस्टम है, जो आधुनिक एआई, ऑब्जेक्ट डिटेक्शन और उन्नत सेंसर टेक्नीक से लैस है। जेना रोबोट को विशेष रूप से ऐसे खतरनाक वातावरण के लिए डिजाइन किया गया है जहां व्यक्ति फायर फाइटर्स के लिए जाना अत्यधिक जोखिम भरा होता है। यह रोबोट विशेष रूप से निम्न प्रकार की परिस्थितियों में अत्यंत प्रभावी साबित हो सकता है। इनमें तेल न गैस संयंत्रों में आग, केमिल और पेट्रोकेमिकल उद्योगों में आग, बड़े गोदाम एवं लॉजिस्टिक हब, बिजली संयंत्र एवं ट्रांसफॉर्मर फायर, भारी औद्योगिक दुर्घटनाएं और विस्फोटक वातावरण। बताया जा रहा है कि इसमें कूलिंग सिस्टम लगा हुआ है, जिसकी वजह से ये गर्म जगह भी आसानी से काम कर पाता है।एक चार्ज में करीब 8 से 10 घंटे काम कर सकता है। ये गाड़ियों के ऊपर निर्भर करता है कि टैंकरों में कितना प्रेशर है। गाड़ियों में सबसे ज्यादा साढ़े 7 से 8 केजी प्रेशर पर भी चला सकते है।

कई जगह हो चुका है इस्तेमाल

इस फायर फाइटिंग रोबोट का इस्तेमाल इंदौर में कई जगह आग लगने की घटनाओं में किया जा चुका है। शनिवार सुबह नावदा पंथ इलाके में प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग में इसका इस्तेमाल किया गया। इसके पहले परदेशीपुरा इलाके में लगी आग में, सिटी फॉरेस्ट में इसके अलावा पीथमपुर में लगी बड़ी आग में भी इसका इस्तेमाल किया जा चुका है।

जहां व्यक्ति नहीं खड़ा हो सकता वहां आता है काम

नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने बताया कि ये रोबोट जो हमारे फायर टैंकर है उसने कनेक्ट हो जाता है। हाई टेम्प्रेचर में भी ये काम करता है। क्योंकि आग के दौरान हाई टेम्प्रेचर में फायर फाइटरकर्मियों के लिए एक जगह रुककर काम करना काफी मुश्किल हो जाता है, वह हाई टेम्प्रेचर में आगे भी नहीं जा पाता है, लेकिन ये रोबोट काफी देर तक एक जगह रुककर पानी डाल सकता है और हाई टेम्प्रेचर में आगे भी जा सकता है। पाइप से कनेक्टेट होने के कारण वह अंदर तक जाकर आग बुझा सकता है। नावदा पंथ इलाके में प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग में रोबोट ने काफी मदद की है। उन्होंने बताया कि ये फायर फाइटिंग रोबोट करीब एक महीने पहले ही आया है, इसे चलाने की ट्रेनिंग भी हम करा चुके हैं, इसकी कुल कीमत 2 करोड़ रुपए है, इसमें कुछ साल का मेटनेंस व अन्य चीजें शामिल हैं

भोपाल की ताल के चौपाल से

दीवारों के कान, अफसरों की जुबान और मंत्रालय की मुस्कान...चाय से ज्यादा केतली भी गर्म है!

बोल हरि बोल

मध्य प्रदेश की सियासत और अफसरशाही के गलियारों में इन दिनों जमीन विवाद से लेकर गुप्त बैठकों के किस्सों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के कॉलम बोल हरि बोल में पढ़िए इन घटनाओं के बारे में विस्तार से... मध्य प्रदेश के मंत्रालय और सत्ता के गलियारों में इन दिनों एक ही डर सबसे ज्यादा घूम रहा है। कहीं कुछ बोल दिया तो कहीं मीडिया में सुर्खियां न बन जाएं। हालात ऐसे हैं कि बड़े-बड़े अफसर अब बैठकों में शब्दों को ऐसे तौल रहे हैं, जैसे सुनार सोना तौलता है। कोई फाइल से ज्यादा मीडिया से डर रहा है तो कोई अपने ही स्टाफ से परेशान है। उधर, होम डिपार्टमेंट में नरम-गरम मिजाज की मैडम की चर्चा है, तो इधर बायपास की जमीन ने अफसर बिरादरी में नई बहस छेड़ दी है। कुल मिलाकर

हरीश दिवेकर

सत्ता के गलियारों में सब कुछ शांत दिख जरूर रहा है, लेकिन भीतर बहुत कुछ धीरे-धीरे बोल रहा है... ताकि कोई सुन न ले।

चाय से ज्यादा केतली गर्म है भाई!

खाकी के सिखाने वाले विभाग में आए नए साहब इन दिनों कम, उनके शागिर्द ज्यादा चर्चा में हैं। साहब तो सरल स्वभाव के हैं, लेकिन उनके साथ आए दो खास मातहतों ने आते ही ऐसा माहौल बना दिया है कि दफ्तर में हर कोई कदम फूंक-फूंककर रख रहा है। हाल यह है कि जहां साहब का नाम बाद में आता है, वहां पहले उनके चहेतों की चर्चा शुरू हो जाती है। कहा जा रहा है कि दोनों मातहत खुद को विभाग का अनौपचारिक दरबान मान बैठे हैं। कौन साहब से मिलेगा, कौन कितनी देर बैठेगा यह सब अब उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमता है। कई लोग तो मजाक में कह रहे हैं कि यहां चाय से ज्यादा केतली गर्म है। दफ्तर के गलियारों में फुसफुसाहट है कि असली सतर्कता अब साहब से नहीं, बल्कि उनके इन शागिर्दों से बरतनी पड़ रही है। क्योंकि उनका रौब ऐसा है कि बड़े-बड़े लोग भी सामने पड़ते ही आवाज धीमी कर लेते हैं।

सिंह साहब द ग्रेट हैं जी...

वर्दी वाले महकमे के सिंह साहब द ग्रेट इन दिनों फिर सुर्खियों में हैं। जहां भी उनकी पोस्टिंग होती है, वहां सिर्फ कुर्सी नहीं बदलती, पूरा माहौल बदल जाता है। पहले वाले विभाग में वे सनातन की अलख जगाने में जुटे थे, अब नए विभाग में पहुंचते ही जवानों को गीता पाठ का संदेश देने लगे हैं। साहब का अंदाज भी ऐसा कि आदेश कम, प्रवचन ज्यादा लगता है। महकमे में चर्चा है कि सिंह साहब अपनी अलग पहचान बनाने में माहिर हैं। यही वजह है कि उनके हर निर्देश पर लोग कान खड़े करके नजर रखते हैं। कुछ लोग इसे अनुशासन और संस्कार से जोड़ रहे हैं, तो कुछ इसे साहब की विशेष कार्यशैली बता रहे हैं। वैसे, यह पहली बार नहीं है जब सिंह साहब चर्चा में आए हों। इससे पहले भी उनके एक अतरंगी आदेश ने ऐसा बवाल मचाया था कि मामला प्रदेश से निकलकर देशभर की बहस बन गया था। अब नए विभाग में उनका नया अध्याय शुरू हो चुका है और गलियारों में चर्चा भी।

धीरे-धीरे बोल... कोई सुन न ले!

धीरे-धीरे बोल कोई सुन न ले... वाला गाना इन दिनों मंत्रालय की बैठकों का अनऑफिशियल थीम सॉन्ग बन गया है। खासकर एक आईएएस मैडम तो इतनी सतर्क हो गई हैं कि बोलने से पहले चारों तरफ ऐसे देखती हैं जैसे कमरे में कैमरे नहीं, रिपोर्टर बैठे हों। हाल ही में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में पीएचई के रीऑर्गेनाइजेशन पर मैडम कुछ परेशानियां बताना चाहती थीं, लेकिन डर इतना था कि आखिर में सिर्फ इतना ही बोलीं, मैं कुछ नहीं बोलूंगी... नहीं तो मीडिया में छप जाएगा। बड़े साहब ने भी दर्द साझा किया और बोले कि कैबिनेट की बातें तो बाहर आने से रोक दी गईं, लेकिन अफसरों की बैठकों की खबरें लगातार बाहर आ रही हैं। इस पर सूबे के मुखिया ने मुस्कुराते हुए चुटकी ली। जो हम छपवाना चाहते हैं वो छपता नहीं... और जो नहीं छपना चाहिए, वही छप जाता है। अब कौन समझाए साहब लोगों को कि मंत्रालय की दीवारें सिर्फ रंगी-पुती नहीं होतीं... उनके कान भी होते हैं।

होम में नरम-गरम मैडम

होम डिपार्टमेंट हमेशा किसी न किसी वजह से चर्चा में रहता. है। इस बार वजह बनी हैं दो खास सहेली मैडम- एक नरम, दूसरी गरम। हालात ये हैं कि विभाग का छोटा कर्मचारी हो या बड़ा अफसर, सब नरम मैडम के कमरे तक तो आराम से पहुंच जाते हैं, लेकिन गरम मैडम के आसपास फटकने से भी बचते हैं। वैसे भी होम की हॉट सीट लंबे समय से लोगों को डरा रही थी। जिसका नाम आया, वो या तो लंबी छुट्टी पर चला गया या दूरी बना गया। बड़ी मुश्किल से पंडितजी ने कमान संभाली है, लेकिन अब उन्हें विभागीय फाइलों से ज्यादा इन दोनों मैडमों के मिजाज का बैलेंस बैठाना पड़ रहा है। अब देखना दिलचस्प होगा कि साहब होम डिपार्टमेंट संभालते हैं या होम डिपार्टमेंट साहब को संभालता है।

हमें भी बता देना... कहां जमीन खरीदना है!

भोपाल बायपास के आसपास एक साथ करीब 50 आईएएस-आईपीएस अफसरों की जमीन खरीद का मामला इन दिनों अफसरों के व्हाट्सएप ग्रुपों में सबसे हॉट टॉपिक बना हुआ है। रिटायर अफसर सबसे ज्यादा एक्टिव हैं। कोई कह रहा है कि भाई, सस्ती जमीन खरीदकर महंगी करना कोई गुनाह थोड़ी है तो कोई मजे लेते हुए लिख रहा है कि अगली बार जहां बायपास आने वाला हो, हमें भी बता देना... हम भी निवेश कर लेंगे। असल परेशानी जमीन खरीदने से ज्यादा एक साथ खरीदने में हो गई है। वरना सीनियर अफसरों की जमीनों की कहानियां तो सालों से फुसफुसाहट में घूमती रही हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि पुराने खिलाड़ी अकेले-अकेले और चुपचाप खेलते थे... नए अफसरों ने लाइक-माइंडेड होकर सामूहिक निवेश कर लिया और चर्चा में आ गए। अब बेचारे जूनियर अफसर सिर झुकाए घूम रहे हैं... जबकि उनके कई सीनियर अंदर ही अंदर मुस्कुरा रहे हैं।

मंत्रीजी अपने ही स्टाफ से परेशान

मंत्रीजी इन दिनों विपक्ष से कम और अपने स्टाफ से ज्यादा परेशान हैं। पहले समधीजी की आवभगत में कमी का मामला सामने आया, फिर खबर आई कि ओएसडी साहब बंगले के खर्चों में लाखों का बिल बना रहे हैं। अब नया किस्सा और भी मजेदार निकला। हुआ यूं कि मंत्रीजी के कुछ रिश्तेदार मिलने आए थे। जाते समय स्टाफ का एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी उन्हें कार तक छोड़ने गया। लेकिन विदाई के साथ उसने चाय-पानी का खर्चा भी मांग लिया। जब बात मंत्रीजी तक पहुंची तो वे शर्मिंदा भी हुए और नाराज भी। गुस्से में पूरा स्टाफ बुलाया और बोले, समझ नहीं आता... पूरा स्टाफ बदल दूं या फिर अपना मंत्रालय ही बदलवा लूं। अब मंत्रीजी को कौन समझाए कि मंत्रालय बदलने से किस्मत बदल जाए, इसकी कोई गारंटी नहीं होती।

शपथ विधि समारोह संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद इंदौर की कार्यकारिणी की साधारण सभा और शपथ विधि समारोह रविवार को महावीर बाग में आयोजित किया गया। सांसद के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू एवं प्रवीण जैन ने बताया कि कार्यक्रम में जोन अध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री सहित अन्य कार्यकारिणी पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। सामाजिक संसद के निर्वाचित अध्यक्ष आनंद गोधा ने इस मौके पर कहा कि हमने समाज से जो वादे किए हैं। वे सभी पूरे करेंगे। हमारा पहला काम यह होगा कि इंदौर शहर से 40-50 किमी दायरे में जो भी मुनिराज विहाररत रहेंगे। उनकी आहार विहार निहार की व्यवस्था कर मुनिवैयावृत्ति करेंगे। सामाजिक शिक्षा, स्वास्थ्य के अलावा समाज के युवाओं के लिए व्यापार के लिए स्टार्टअप तैयार करने में भी सहयोग करेंगे।

प्रबंधक के खिलाफ कलेक्टर से एमडी तक हुई शिकायत अबतक नहीं हुई कार्यवाही

छोटी कलमेर सहकारी सोसाइटी का मामला किसानों का आरोप अधिकारी कर रहे लीपापोती

निलेश चौहान (94250-77209)

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● समर्थन मूल्य उपकेंद्र छोटी कलमेर में सहकारी सोसाइटी के प्रबंधक जगदीश चौधरी के खिलाफ किसानों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। किसानों ने प्रबंधक पर अभद्र व्यवहार, मूलभूत सुविधाओं का अभाव और अवैध वसूली जैसे कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले में इंदौर कलेक्टर और जिला इंदौर प्रीमियर को ऑपरेटिव बैंक के अधिकारियो को लिखित शिकायत सौंपे जाने के 20 दिन बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। किसानों का आरोप है कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी आरोपी प्रबंधक को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों पर संरक्षण देने का आरोप- पीड़ित किसानों का कहना है कि उन्होंने पूरे मामले की लिखित शिकायत इंदौर कलेक्टर और इंदौर प्रीमियर को ऑपरेटिव बैंक को दर्ज कराई थी। इसके बावजूद 20 दिन बीत जाने के बाद भी दोषी प्रबंधक के खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया गया है। किसानों ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि इंदौर प्रीमियर ऑपरेटिव बैंक के वरिष्ठ अधिकारी सोसाइटी प्रबंधक जगदीश चौधरी को संरक्षण दे रहे हैं और विभागीय जांच के नाम पर मामले में लीपापोती करने की कोशिश की जा रही है।

शिकायत | प्रबंधक के अभद्र व्यवहार को लेकर प्रशासन हुआ सख्त

हरकत में आया प्रशासन, प्रबंधन पर गिरेगी गाज!

निलेश चौहान : 94250-77209

किसान परेशान, प्रबंधक की बदसलूकी से आक्रोश

इनका कहना है की प्रबंधक को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है
अलोक जैन, इंदौर प्रीमियर को ऑपरेटिव बैंक जिला एसोसिएशन प्रबंधक

यज्ञ देवता एवं लक्ष्मीनारायण के जयघोष से गूंज उठी विद्याधाम की गौशाला

इंदौर ● विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में रविवार को सुबह लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के शुभारंभ प्रसंग पर यज्ञशाला एवं आश्रम परिसर भगवान लक्ष्मीनारायण तथा यज्ञ देवता के जयघोष से गूँज उठे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

भागवत अनुपम और दिव्य ग्रन्थ, जिसकी छत्रछाया में भूल से भी चले जाएं तो हमारे सभी पाप कर्मों का नाश संभव - पं. तिवारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलियुग में हरि और भगवान का नाम सबसे सरल माना गया है। पुरुषोत्तम मास को स्वयं भगवान विष्णु ने अपना नाम दिया है इसलिए इस माह में की गई भक्ति और साधना का अनंत गुना फल माना गया है। भागवत ऐसा अनुपम और दिव्य ग्रन्थ है जिसकी छत्रछाया में यदि हम भूल से भी चले जाएं तो हमारे सभी जाने-अनजाने में किए गए पाप-कर्मों का नाश होता है। भागवत स्वयं भगवान की वाणी है और 5 हजार वर्षों बाद भी देश के गाँव-गाँव और गली-गली में भागवत की गूंज बने रहना इस बात का प्रमाण है कि भागवत, भारत, भगवान, भक्ति और भक्त-ये सब एकदूसरे के पूरक और पर्याय हैं। इनकी महत्ता किसी भी काल में कम नहीं हो सकती। ये दिव्य विचार हैं भागवताचार्य पं. पुष्पानंदन पवन तिवारी के, जो उन्होंने सप्त ऋषि भागवत मंडल के तत्वावधान में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में रविवार को सुबह खजराना गणेश मंदिर स्थित सत्संग सभागृह में प्रारम्भ हुए भागवत ज्ञान यज्ञ के शुभारंभ सत्र में व्यक्त किए। इसके पूर्व मंदिर परिसर में भागवतजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई

जो पुरुषोत्तम मास के प्रसंग पर शहर की पहली शोभायात्रा थी। शोभायात्रा में महिलाएं लाल चुनरी एवं पुरुष चुनरी की जैकेट पहनकर शामिल हुए। व्यास पीठ का पूजन कथा के मनोरथी समूह की ओर से अशोक-आरती खंडेलवाल, रामचंद्र-उषा पितलिया, लक्ष्मण-चंद्रकांता कानूनगो, नगर निगम महापौर परिषद के सदस्य राजेंद्र राठोर, पार्षद मनोज मिश्रा एवं महेंद्र मालवीय सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने भी शोभायात्रा में शामिल होकर व्यास पीठ का पूजन किया।

108 विद्वानों-यजमानों ने की हंसदास मठ की परिक्रमा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्राचीन हंसदास मठ पर पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य मे रविवार को सुबह हंस पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रामचरणदास एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास के सान्निध्य में 108 विद्वानों ने भगवान रणछोड़जी एवं टीकमजी सहित सभी देवी-देवताओं की साक्षी में भागवत के मूल पारायण का शुभारंभ किया। इसके पूर्व मठ परिसर में यजमानों एवं संत-विद्वानों ने नंगे पैर भागवतजी को मस्तक पर धारण कर परिक्रमा भी की। भागवतजी के साथ भगवान पुरुषोत्तम एवं टीकमजी के जयघोष के बीच विद्वानों ने पहले मंडल स्थापना की, फिर मंडल पूजन एवं गणेश अम्बिका पूजन के पश्चात भागवत एवं रामायण के पारायण तथा ओम नमो भगवते वासुदेवाय महामंत्र का जाप भी प्रारम्भ हुआ।

सम्पादकीय

तकनीक की तरक्की और ठगी का जाल

हैरानी की बात यह है कि डिजिटल संसार की अवांछित गतिविधियों पर बारीक निगरानी रखने का दावा करने वाली पुलिस कई बार समय पर अपराधियों को नहीं पकड़ पाती। इसमें कोई दोराय नहीं कि आधुनिक तकनीक की दुनिया में डिजिटल सेवाओं ने मनुष्य के जीवन को आसान बनाया है और आज कई तरह की सुविधाएं आम लोगों की पहुंच में हैं। उम्मीद यह भी की गई थी कि जैसे-जैसे सामान्य कामकाज में डिजिटल संसार का दखल बढ़ेगा, वैसे-वैसे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और भ्रष्टाचार पर काबू पाना आसान होगा। काफी हद तक ऐसा हुआ भी है। मगर इसके समांतर इसी डिजिटल तंत्र के दायरे में अपराध के नए स्वरूप विकसित हुए और आज यह भारत सहित दुनिया भर में एक नई चुनौती बनते जा रहे हैं। पंजाब के लुधियाना में पुलिस ने शुक्रवार को अब तक के सबसे बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह का पर्दाफाश करने का दावा किया, जिसमें काल सेंटर के नाम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया जा रहा था। फर्जी कंपनी चलाने वाले और ठगी में शामिल एक सौ बत्तीस लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। खबरों के मुताबिक, इस गिरोह में शामिल लोग दूर बैठे कंप्यूटर तक पहुंच हासिल करते थे या फर्जी वायरस और सुरक्षा चेतावनी के जरिए विदेशी नागरिकों को निशाना बनाते थे। लोगों को ई-मेल और बैंक खाते में सेंध लगने का डर दिखा कर उनसे भारी राशि की ठगी की जाती थी। जाहिर है, डिजिटल दुनिया में जिन आधुनिक तकनीकों को लोगों के जीवन को आसान बनाने और उनकी आर्थिक गतिविधियों को सुरक्षित बनाने के लिए ज्यादा बेहतर बताया जाता है, उसी में अब अपराध का ऐसा संजाल खड़ा हो चुका है, जिसमें हर रोज बड़ी संख्या में लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं और अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। पिछले कुछ समय से खासतौर पर 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों में खासी बढ़ोतरी हुई है, जिसमें दूर बैठे अपराधी सिर्फ स्मार्टफोन पर वीडियो काल के जरिए किसी व्यक्ति को एक तरह से बंधक बना लेते हैं और डरा-धमका कर भारी रकम वसूल लेते हैं। हैरानी की बात यह है कि डिजिटल संसार की अवांछित गतिविधियों पर बारीक निगरानी रखने का दावा करने वाली पुलिस कई बार समय पर अपराधियों को नहीं पकड़ पाती। सच यह है कि इस क्षेत्र में अपराध का दायरा जितना विस्तृत और जटिल होता जा रहा है, उसके मुकाबले सुरक्षा या बचाव के साथ-साथ अपराध पर काबू पाने के इंतजाम नाकाफी हैं।

पेपर लीक से हर साल छात्रों के साथ देश को हो रहा नुकसान

पेपर लीक के कारण मेडिकल डिग्री प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) परीक्षा रद्द होने के बाद ईमानदार छात्रों के मन में निराशा, गुस्सा, हताशा, हताशा, हताशा और हताशा महसूस की गई। माता-पिता ने इस अवसर पर निजी ट्यूशन कक्षाओं के लिए फीस का भुगतान किया। 3 मई को, हृश्वश्वज्ञ देने के बाद, छात्रों ने एक गहरी सांस ली और भविष्य के बारे में सपने देखने लगे, यात्राओं की योजना बनाने लगे। 10 दिन से भी कम समय के बाद, परीक्षा आयोजित करने वाली नेशनल टेस्टिंग कंडक्टिंग एजेंसी (एनटीए) का कहना है कि परीक्षा रद्द कर दी गई क्योंकि परीक्षा से पहले अधिकांश प्रश्न टूट गए थे। परीक्षा में शामिल होने वाले सभी लोगों की अब फिर से जांच की जाएगी। डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा हृश्वश्वज्ञ भी 'लीकतंत्र' का शिकार हो गई। 22 लाख 79 हजार छात्रों ने दिन-रात मेहनत करके परीक्षा दी। परीक्षा खत्म होने के बाद जो मानसिक दबाव कम हुआ था, वो फिर से बढ़ गया है। लीकतंत्र ने उनकी मेहनत, उनका समय और उनके सपनों पर चोट पहुंचाई है। ये पहली बार नहीं है, जब किसी बड़ी परीक्षा को लीकतंत्र ने अपना शिकार बनाया हो। पिछले 11 सालों में 100 से अधिक बार केंद्रीय और भर्ती परीक्षाएं पेपर लीक और अनियमितताओं की भेंट चढ़ चुकी हैं। इस बार जिस नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ है, उसकी जांच केंद्र सरकार ने CBI को सौंप दी है। CBI की जांच में आने वाले दिनों में कई बड़े खुलासे हो सकते हैं और यह भी साफ होगा कि इस पूरे खेल में कौन-कौन शामिल था। लेकिन उससे पहले यह समझना जरूरी है कि आखिर यह 'लीकतंत्र' काम कैसे करता है। कैसे लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही बाजार में पहुंच जाता है? कैसे एक संगठित नेटवर्क मेहनत पर पैसे को भारी बना देता है? जैसा कि हमने आपको बताया, लोकतंत्र की तरह 'लीकतंत्र' भी चार अलग-अलग स्तंभों पर खड़ा दिखाई देता है। पहला स्तंभ वह एजेंसी है, जो नीट जैसी परीक्षाएं आयोजित करवाती है। दूसरा स्तंभ खुफिया तंत्र है, जिसकी जिम्मेदारी संभावित लीक या संदिग्ध गतिविधि का समय रहते पता लगाना होती है। लीकतंत्र का तीसरा स्तंभ पेपर माफिया हैं, जो किसी भी तरह परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र हासिल करने की कोशिश करते हैं। लीकतंत्र का चौथा स्तंभ वे खरीदार हैं, जो लाखों रुपये में पेपर खरीदकर ईमानदार छात्रों के हक पर डाका डाल देते हैं। हम आपको लीकतंत्र के इन चारों स्तम्भों के बारे में एक-एक कर विस्तार से बताएंगे। लेकिन उससे पहले हम आपको बताते हैं कि इस बार लीकतंत्र ने किस तरह सिस्टम को हैक करके ईमानदार बच्चों के सपनों में सेंधमारी कर दी।

परीक्षा से करीब 42 घंटे पहले ही क्वेश्चन पेपर के कुछ सवाल 'लीकतंत्र' के हाथ लग चुके थे।लीकतंत्र ने लीक हुए सवालों में कुछ अन्य प्रश्न जोड़कर एक पूरा क्वेश्चन बैंक तैयार किया।छात्रों तक जो क्वेश्चन बैंक पहुंचाया गया, उसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल शामिल थे।इनमें से करीब 150 सवाल हूबहू नीट UG 2026 के प्रश्नपत्र में पूछे गए।यानि 720 अंकों की परीक्षा में लगभग 600 नंबर के सवाल पहले से ही लीकतंत्र के बनाए क्वेश्चन बैंक में मौजूद थे। गेस पेपर से परीक्षा में कुछ सवाल हूबहू आने की संभावना रहती है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न आने की संभावना बिल्कुल नहीं रहती। इसीलिए जब जांच पड़ताल हुई तो एक-एक कर इसके खुलासे होने लगे। पता चला कि सबसे पहले महाराष्ट्र में पेपर लीक हुआ था। सूत्र बताते हैं कि महाराष्ट्र के नासिक से गुरुग्राम तक एक डॉक्टर के पास पेपर पहुंचा। गुरुग्राम से जयपुर और जयपुर से सीकर और झुंझुनूं पेपर भेजा गया।वहीं से बिहार, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, केरल तक पहुंचा। व्हाट्सऐप पर 'प्राइवेट माफिया' नाम से एक ग्रुप भी बनाया गया था। इस ग्रुप में करीब 400 सदस्य जुड़े हुए थे। आरोप है कि इस ग्रुप का इस्तेमाल विशेष रूप से लीक किए गए 'गेस पेपर' और सवालों को सर्कुलेट करने के लिए किया गया। टेलीग्राम पर भी एक चैनल बनाया गया था, जिसमें नीट का असली पेपर होने का दावा किया जा रहा था। 1 मई से ही व्हाट्सऐप और टेलीग्राम पर प्रश्नपत्र की PDF फाइलें तेजी से शेयर की जा रही थीं। जांच एजेंसियों ने व्हाट्सऐप चैट और टेलीग्राम रिकॉर्ड्स को अहम सबूत के तौर पर जुटाया है। इन डिजिटल रिकॉर्ड्स से यह पता चला है कि पेपर लीक का नेटवर्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए कितनी तेजी से फैलाया गया।

एक तरफ जांच एजेंसियां सबूत इकट्ठा कर रही हैं, तो दूसरी तरफ इस पूरे नेटवर्क से जुड़े लोगों पर शिकंजा भी कसना शुरू हो गया है। राजस्थान के अलग-अलग शहरों से कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। जयपुर में मनीष नाम के शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिस पर पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े होने का शक है।

डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि 'मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के साथ अन्याय, देश के भविष्य के साथ अन्याय होता है'। और ये अन्याय देश के करीब 23 लाख छात्रों के साथ हुआ है। और ये कोई पहली बार नहीं हुआ है। 2024 में भी नीट परीक्षा पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों से घिर गई थी। बिहार और झारखंड में मामले की जांच हुई, जिसमें पेपर लीक के सबूत मिले थे और कई गिरफ्तारियां भी हुई थीं। हालांकि उस समय तो सुप्रीम कोर्ट ने पूरी परीक्षा रद्द करने से इनकार कर दिया था। लेकिन कुछ परीक्षा केंद्रों पर 1539 कैंडिडेट्स की दोबारा परीक्षा कराई गई थी। इसके अलावा 2018, 2021 और 2022 में भी नीट परीक्षा में अनियमितताओं और गड़बड़ियों के आरोप लगे थे। इन मामलों की जांच अब तक CBI कर रही है। और यह समस्या सिर्फ नीट तक सीमित नहीं रही। जब मेडिकल कॉलेजों में दाखिला नीट के जरिए नहीं होता था, तब भी पेपर लीक का खेल जारी था। 2011 में देश के सबसे प्रतिष्ठित अस्पताल एम्स की एंट्रेंस परीक्षा में पेपर लीक हुआ था। जांच हुई लेकिन कार्रवाई के नाम पर रस्म अदायगी हुई थी। एक बार फिर वही हुआ है। प्रश्नपत्र फिर लीक हुआ है। लेकिन इस बार मामला पहले से कहीं ज्यादा बड़ा है, क्योंकि पहली बार पूरी नीट परीक्षा ही रद्द कर दी गई है। देशभर में छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। कहीं विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, तो कहीं छात्र और अभिभावक अपनी मेहनत बर्बाद होने पर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। हम आपको सुनाते हैं सड़क पर उतरे छात्र क्या कह रहे हैं। अब पुन: परीक्षा की घोषणा करने में कम से कम एक सप्ताह का समय लगेगा और फिर पुन: परीक्षा की घोषणा होने से पहले कुछ और दिन लगेंगे, और तब तक छात्रों को फिर से तैयारी करनी होगी। कोई भी इस बारे में 100 प्रतिशत निश्चित नहीं है। एनटीए की विफलता बहुत परेशान करने वाली है।

एनटीए की स्थापना मूल रूप से नई तकनीक का उपयोग करके व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा आयोजित करने के लिए एक स्वतंत्र, स्वायत्त, पेशेवर निकाय की स्थापना, पारदर्शिता और प्रवेश परीक्षाओं के सरलीकरण के उद्देश्य से की गई थी। नीट के मामले में इनमें से कोई भी होता नहीं दिख रहा है। दो साल पहले पेपर लीक होने के बाद नियुक्त राधाकृष्णन समिति के पेपर लीक होने से पारदर्शिता बिगड़ने और कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं का आयोजन होने के बावजूद नीट अभी भी पेपर-पेन सिस्टम में किया जा रहा है। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों की संख्या को देखते हुए कंप्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित करने के लिए कई परीक्षा सत्र आयोजित करने होंगे, प्रत्येक सत्र के लिए प्रश्नों का अलग-अलग सेट तैयार करना होगा। एनटीए ने पिछले साल (2025) कंप्यूटर आधारित परीक्षा को इस आधार पर स्थगित कर दिया था कि प्रत्येक सेमेस्टर में उपस्थित होने वाले छात्रों के अलग-अलग प्रश्न होंगे और अंकों को बराबर करना होगा। उस समय समिति की रिपोर्ट और परीक्षा की तारीख के बीच कम समय होने के कारण तैयारी के लिए समय नहीं था, इसलिए उस समय कंप्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित नहीं करने का निर्णय कुछ समय के लिए स्वीकार किया जा सकता है। लेकिन फिर इस साल नीट आयोजित करने में क्या समस्या थी? क्या आपको लगता है कि एनटीए पूरा एक साल मिलने के बाद भी तैयारी नहीं कर पाया है? न तो एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह और न ही शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार किया।

एक ही समय में सभी छात्रों के लिए पेपर-पेन परीक्षा आयोजित करना आसान नहीं है, जिसके लिए कक्षाओं को प्रदान करने से लेकर प्रश्न पत्र प्रतियां हासिल करने तक एक विशाल प्रणाली की आवश्यकता होती है। हालांकि एनटीए ने प्रश्न पत्रों को डिजिटल प्रारूप में संरक्षित करने की व्यवस्था की है जिसे केवल कोड द्वारा खोला जा सकता है, लेकिन लीक होने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि प्रश्न पत्रों को कम से कम सात दिन पहले प्रिंट करना पड़ता है। 2024 में, मुद्रित प्रश्न पत्रों के केवल कुछ हिस्सों की तस्वीरें खींची गई थीं, जिन्हें कंप्यूटर आधारित परीक्षा में सीधी परीक्षा से कुछ मिनट पहले केंद्रों पर ऑनलाइन भेजा जा सकता है, जिससे लीकेज का खतरा कम हो जाता है ।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

यादव समाज मांगलिक भवन का भूमिपूजन, सांसद और विधायक शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●जिले के बीड़ बुजुर्ग में अहीर यादव सोसायटी के मांगलिक भवन का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद गजेंद्रसिंह पटेल और विधायक बालकृष्ण पाटीदार शामिल हुए। यह भवन 10 लाख रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा। सांसद गजेंद्रसिंह पटेल ने अपनी सांसद निधि से मांगलिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। बताया गया कि करीब छह माह में भवन का निर्माण कार्य पूरा होने की उम्मीद है। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद पटेल ने कहा कि मांगलिक भवन सामाजिक एकता, सांस्कृतिक परंपराओं और समाज के विभिन्न आयोजनों का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। वहीं विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने कहा कि ऐसे भवन समाज को संगठित करने और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निमाड़ अहीर यादव समाज की अगुआई में आयोजित कार्यक्रम में जिलेभर से बड़ी संख्या में यादव समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। समाज अध्यक्ष रामनारायण यादव ने जनप्रतिनिधियों का आभार जताया। कार्यक्रम में ताराचंद यादव बड़गांव, राजेंद्र यादव, तारकेश्वर यादव, राजेश यादव, ताराचंद यादव, तेजेंद्र यादव, सरपंच बुधली बाई और उपसरपंच दिनेश यादव सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सत्ता में बने रहने के लिए प्रशिक्षण आवश्यक - बालकृष्ण पाटीदार

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का जिलास्तरीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग रविवार को शुरू हुआ। दो दिवसीय इस प्रशिक्षण में निमाड़ संभाग प्रभारी सुरेंद्र शर्मा, सांसद गजेंद्रसिंह पटेल, किसान मोर्चा महामंत्री मनोज लधवे, खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार, जिला प्रभारी संगीता सोनी और जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे सहित कई प्रमुख पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। राधा रिसॉर्ट में पंजीयन के बाद प्रशिक्षण का उद्घाटन किया गया। विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने इस अवसर पर कहा कि सत्ता में बने रहने के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से सरकार के जनहितैषी कार्यों को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया, ताकि लोग वास्तविकता से अवगत रहें। प्रशिक्षण प्रभारी मनोज लधवे ने बताया कि भाजपा ने जो संकल्प तय किए थे, उन्हें केंद्र और राज्य सरकारों ने पूरा किया है। उन्होंने कहा कि देश में सुरक्षा का बेहतर वातावरण तैयार हुआ है और बदलाव के इस दौर में भारत तथा बदलता हुआ मध्यप्रदेश दुनिया को नई दिशा देने के लिए तैयार हैं।

यह प्रशिक्षण सोमवार शाम 6 बजे रात्रि विश्राम के बाद समाप्त होगा। प्रशिक्षण के उद्घाटन से पहले देश, प्रदेश और शहर में हुए विकास कार्यों से आए बदलाव पर आधारित एक प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया गया।मीडिया प्रभारी कांतिलाल कर्मा ने जानकारी दी कि प्रदर्शनी में विकास कार्यों, जनहितैषी योजनाओं और आत्मनिर्भर भारत योजना से आए बदलावों को प्रदर्शित किया गया है। इसमें खरगोन में मंदिरों से निकले फूलों और पूजन सामग्री से बनी अगरबत्ती तथा गोबर के उपलों के स्टॉल भी लगाए गए हैं।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई, 74 वाहनों के कटे चालान

दैनिक इंदौर संकेत

धार● जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ परिवहन विभाग ने रविवार को विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 74 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए कुल 2 लाख 47 हजार 500 रुपए का जुर्माना वसूला गया। परिवहन आयुक्त और कलेक्टर के निर्देश पर अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हृदेश सिंह यादव और उनकी टीम द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के तहत धार, जेतपुरा, मांडव नाका, इंदौर नाका, बगड़ी, मांगोद फाटा, सरदारपुर और राजगढ़ सहित कई स्थानों पर वाहनों की सघन जांच की गई। चेकिंग के दौरान बड़ी संख्या में ऐसे वाहन पकड़े गए, जो बिना परमिट, बिना फिटनेस और बिना पीयूसी (प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र) के सड़कों पर दौड़ रहे थे। परिवहन विभाग ने नियमों के उल्लंघन पर चालानी कार्रवाई की। जांच में कुल 74 वाहन नियम विरुद्ध संचालित पाए गए। इनमें धार शहर के जेतपुरा, इंदौर नाका और मांडव नाका क्षेत्र में पिकअप और यात्री वाहनों पर 62 चालान बनाए गए। इनसे 2 लाख 8 हजार 500 रुपए की राशि वसूली गई। वहीं मांगोद और सरदारपुर क्षेत्र में 12 चालानों के जरिए 39 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। अधिकारियों के मुताबिक कई वाहन मालिक जानबूझकर दस्तावेजों के बिना वाहन चला रहे थे, जिससे सड़क सुरक्षा को खतरा बढ़ रहा था।

बाग ब्लॉक में 3 ग्रामीण सड़कों को 14.96 करोड़ स्वीकृत

दैनिक इंदौर संकेत

बाग ● प्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्रालय ने बाग ब्लॉक में तीन ग्रामीण सड़कों के निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति दे दी है। इन सड़कों के लिए कुल 14.96 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत सड़कों में ग्राम भमोरी से सालियापानी देवधा तक 4 किलोमीटर सड़क (5.80 करोड़ रुपए), घटबोरी से ढीलवानी घोटियादेव तक 2 किलोमीटर सड़क (2.82 करोड़ रुपए) और झिरपन्या से बावड़िया तक 3.8 किलोमीटर सड़क (6.32 करोड़ रुपए) शामिल हैं। इनमें से भमोरी से देवधा और घटबोरी से बावड़िया तक की पक्की सड़कों के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। दोनों सड़कों के टेंडर उज्जैन की रामप्रसाद चौधरी की कंपनी को मिले हैं। कंपनी के साइट इंजीनियरों ने सड़क निर्माण के लिए साफ-सफाई का कार्य शुरू कर दिया है।

विराजीं मां वाग्देवी, भोजशाला गर्भगृह में प्रतिकृति स्थापित कर ढोल-नगाड़ों पर झूमे श्रद्धालु

दैनिक इंदौर संकेत

धार● भोजशाला में रविवार सुबह वह पल आया, जिसका इंतजार हिंदू समाज करीब 700 साल से कर रहा था। एएसआई के आदेश के बाद मां वाग्देवी के प्रतिकृति स्वरूप को गर्भगृह में स्थापित किया गया। मंत्रोच्चार, हवन और वास्तु पूजन के बीच पूरा परिसर मां सरस्वती और राजा भोज के जयकारों से गूंज उठा। मोतीबाग चौक स्थित ज्योति मंदिर से मैहर वाली माता की ज्योत और मां वाग्देवी के प्रतिकृति स्वरूप को माथे पर रखकर ढोल-बाजों के साथ भोजशाला लाया गया। जैसे ही मां का स्वरूप गर्भगृह तक पहुंचा, श्रद्धालु भावुक हो उठे। ढोल की थाप पर युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने जमकर नृत्य किया। केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर भी महिलाओं के साथ नृत्य करती नजर आईं। उन्होंने कहा कि कोर्ट के फैसले के बाद अब प्रतिमा को वापस लाना संभव हो गया है। भोज उत्सव समिति के गोपाल शर्मा का कहना है कि अभी मां की आत्मा स्थापित हुई है। अब लंदन से मां वाग्देवी की मूल प्रतिमा लाकर भोजशाला में स्थापित की जाएगी।

पटाखा दुकानों की जांच, पुलिस टीम ने स्टॉक और सुरक्षा व्यवस्था देखी

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी ● अनुभाग में पुलिस ने विस्फोटक मैगजीन और पटाखा गोदामों की जांच अभियान चलाया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देश पर की गई। जांच के दौरान किसी भी स्थान पर अनियमितता नहीं मिली। रविवार को एसडीओपी सुनील गुप्ता और तहसील के सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में विस्फोटक मैगजीन, पटाखा दुकानों और गोदामों का निरीक्षण किया। एसडीओपी सुनील गुप्ता ने टीआई राजेश यादव के साथ ग्राम लोहारी और सुसारी स्थित विस्फोटक मैगजीन का दौरा किया। यहां जिलेटिन के स्टॉक का मिलान किया गया और रिकॉर्ड की जांच की गई। इसके अलावा कुक्षी अनुभाग के पटाखा गोदामों और दुकानों की भी जांच की गई। डही के टीआई दिलीप तडेवला और बाग थाना प्रभारी कैलाश चौहान ने भी अपनी टीम के साथ क्षेत्रों में निरीक्षण किया। जांच के दौरान बाग क्षेत्र में किसी भी गोदाम या दुकान पर पटाखे नहीं मिले। एसडीओपी सुनील गुप्ता ने बताया कि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की जांच आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगी।

आज चेन्नई सुपर किंग्स के सामने होगी सनराइजर्स हैदराबाद

चेन्नई (एजेंसी) • चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल मुकाबले में सोमवार को कांटे की टक्कर होगी। प्लेऑफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए चेन्नई को हर हाल में यह मुकाबला जीतना होगा। एक हार उसके आगे बढ़ने के दरवाजे बंद कर सकती है। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। हैदराबाद हालांकि चेन्नई की तुलना में बेहतर स्थिति में है।

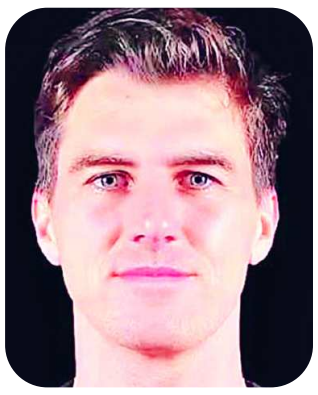

उसके 12 मैच में 14 अंक है और अभी वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। चेन्नई की टीम के 12 मैच में 12 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। जैसे कि उसके बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा था, उनके लिए अब बाकी बचे दोनों मैच फाइनल जैसे हो गए हैं। चेन्नई के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने अब तक जब भी अच्छा प्रदर्शन किया, तब टीम को जीत मिली। ऐसे में उसकी संभावना बरकरार रखने के लिए सैमसन, गायकवाड, उर्विल और कार्तिक को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वहीं हैदराबाद की कभी बल्लेबाजी टूर्नामेंट में सबसे मजबूत नजर आती है, लेकिन कभी वह फिसड्डी साबित हो जाती है जैसा पिछले मैच में हुआ। इसके लिए जरूरी है कि अभिषेक, हेड और ईशान अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखें।

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन के उपविजेता, फाइनल में इंडोनेशिया के लियो कार्नांडो-डेनियल मार्टिन ने हराए

पटुमवान (थाईलैंड) (एजेंसी) • भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाईलैंड ओपन में रनरअप रहे। उन्हें इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन से 53 मिनट में 21-12, 25-23 से हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती गेम में सात्विक और चिराग को मोमेंटम पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, जिसमें इंडोनेशियाई जोड़ी ने 21-12 से जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी की, जोरदार वापसी की और गेम को आखिर तक खींचा, जहां लगातार पांच चैंपियनशिप पॉइंट बचाने के बाद, वे आखिरकार 25-23 से हार गए। 2026 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूअर सीज़न के अपने पहले फाइनल में हिस्सा ले रहे टॉप सीडेड भारतीय बैडड्मिंटन खिलाड़ी, बिना सीड वाली इंडोनेशियाई जोड़ी से 53 मिनट में हार गए। झलियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन के खिलाफ सात्विक और चिराग की यह पांच आमने-सामने की मुलाकातों में पहली हार थी। सात्विक-चिराग ने आखिरी बार दो साल पहले बीडब्ल्यूएफ टाइटल जीता था। इत्तेफाक से, उनकी आखिरी जीत 2024 थाईलैंड ओपन में हुई थी। भारतीय जोड़ी ने 2019 में भी यह टूर्नामेंट जीता था। भारतीय बैडड्मिंटन खिलाड़ी पिछले साल चाइना मास्टर्स और हांगकांग ओपन के फाइनल में भी पहुंचे थे।

मेजर ध्यानचंद स्मृति बालक व बालिका सेवन साइडर हॉकी स्पर्धा 19 मई से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला ने बताया कि ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर व हॉकी इंदौर एसोसिएशन द्वार स्थानीय चिमनबाग हॉकी मैदान पर आयोजित जिला स्तरीय 39 वा ग्रीष्मकालीन हॉकी प्रशिक्षण शिविर मे भाग ले रहे खिलाड़ियों के लिए दिनांक 19 मई से स्थानीय चिमनबाग हॉकी मैदान पर चार दिवसीय बालक व बालिकाओ सेवेन साइडर हॉकी स्पर्धा आयोजित की गई है। स्पर्धा लीग पद्धति से खेली जाएगी।

हिंदी ज़ी5 ने 'हाथरस - 16 दिन' का रोमांचक ट्रेलर जारी किया है

मुंबई (एजेंसी) • हिंदी ज़ी5 ने अपनी आगामी ओरिजिनल इन्वेस्टिगेटिव डॉक्यू-सीरीज़ 'हाथरस - 16 दिन' का ट्रेलर जारी कर दिया है। यह सीरीज़ भारत के सबसे भयावह और चर्चित बलात्कार मामलों में से एक की गहन पड़ताल करती है, जिसने पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, निर्देशक पैट्रिक ग्राहम द्वारा बनाई गई यह सीरीज़ 2020 के हाथरस हादसे के बाद के उन 16 दिनों की भयावह यात्रा को दिखाती है, जिसमें जाति, लैंगिक भेदभाव, संस्थागत चुप्पी और सच्चाई की लगातार चलती खोज के जटिल पहलुओं को उजागर किया गया है। ग्रामीण उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित डॉक्यूबे ओरिजिनल हाथरस - 16 दिन का प्रीमियर 15 मई 2026 को हुआ। पत्रकार तनुश्री पांडे की नज़र से यह डॉक्यू-सीरीज़ उस असहज और कठोर वास्तविकता को सामने लाती है, जो हाथरस में एक युवा दलित महिला के साथ हुए इस अपराध के बाद सामने आई थी। यह सीरीज़ अब केवल हिंदी ज़ी5 पर विशेष रूप से स्ट्रीम की जा रही है। यह ट्रेलर उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक युवा दलित महिला के साथ हुए हमले के बाद की घटनाओं की एक भयावह झलक पेश करता है, और उसके बाद देशभर में फैले आक्रोश को भी दर्शाता है। जिसकी शुरुआत एक क्रूर अपराध के रूप में होती है, वह धीरे-धीरे जाति व्यवस्था, राजनीतिक शक्ति, मीडिया की भूमिका और उन तंत्रों की गहन जांच में बदल जाती है, जो अक्सर सच्चाई को दबाने का काम करते हैं। इस कहानी के केंद्र में पत्रकार तनुश्री पांडे की साहसिक रिपोर्टिंग है, जिसमें वह संस्थागत बाधाओं, धमकियों और सार्वजनिक आलोचना का सामना करते हुए इस मामले को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने की कोशिश करती हैं। प्रत्यक्ष गवाहों के बयानों, मौके पर की गई रिपोर्टिंग,

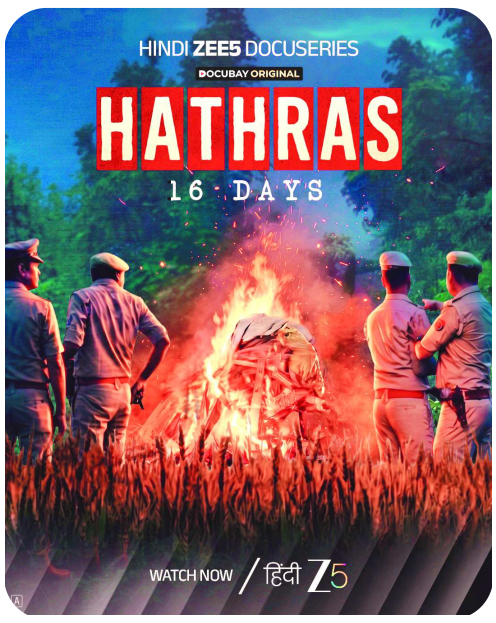

अभिलेखीय फुटेज, और पत्रकारों, कार्यकर्ताओं, कानून-प्रवर्तन अधिकारियों तथा नीति-निर्माताओं के दृष्टिकोणों के माध्यम से 'हाथरस - 16 दिन' केवल एक त्रासदी को नहीं दोहराता, बल्कि उस पूरे तंत्र की पड़ताल करता है जिसने इसके बाद की परिस्थितियों को आकार दिया।

केवल लोकप्रियता ही सफलता नहीं होती: उर्वशी रौतेला

मुंबई (एजेंसी) • अपने करियर और अभिनय को लेकर अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने नया नजरिया अपनाने की बात कही है। उर्वशी रौतेला ने बताया कि उनके लिए सिर्फ स्क्रीन पर दिखना या लोगों से तारीफ पाना मायने नहीं रखता, बल्कि वह ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं जिनमें गहराई, भावनाएं और कोई सार्थक संदेश हो। अभिनेत्री का कहना है कि समय के साथ उन्होंने समझा है कि कलाकार की असली पहचान उसके काम की सच्चाई और दर्शकों से उसके भावनात्मक जुड़ाव से बनती है। उर्वशी ने कहा कि करियर की शुरुआत में हर कलाकार चाहता है कि उसे पहचान मिले और लोग उसे नोटिस करें, लेकिन केवल

लोकप्रियता ही सफलता नहीं होती। उनके मुताबिक अगर किसी कहानी या किरदार में सच्चाई और भावना नहीं होगी तो वह लंबे समय तक लोगों के दिलों में जगह नहीं बना पाएगा। अभिनेत्री ने कहा कि अब वह सिर्फ दिखावे या ग्लैमर के लिए काम नहीं करना चाहतीं, बल्कि ऐसी फिल्मों और कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करें और समाज में जागरूकता पैदा करें। गौरतलब है कि उर्वशी रौतेला ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2013 में आई फिल्म सिंह साहब द ग्रेट से की थी, जिसमें उनके साथ अभिनेता सनी देओल नजर आए थे। इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई और इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। अब वह अपनी आगामी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2 को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में उर्वशी पूनम मिश्रा नाम का किरदार निभा रही हैं।

उज्जैन संभाग

चौड़ीकरण के दौरान मकान ढहा, जेसीबी कार्रवाई से परिवार बेघर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • योगीपुरा क्षेत्र में चौड़ीकरण कार्रवाई के दौरान एक मकान पूरी तरह ढह गया, जिससे एक परिवार बेघर हो गया। मकान में रखा लाखों रुपए का सामान मलबे में दबकर नष्ट हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और कई परिवार डर के चलते घर खाली कर रहे हैं। रहवासियों ने प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। रामघाट जाने वाली गली में चल रही चौड़ीकरण कार्रवाई के दौरान जेसीबी से तोड़फोड़ की जा रही थी। इसी दौरान राजेंद्र राव सावदेकर का मकान क्रमांक-12 पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मकान गिरने से घर में रखा टीवी, फ्रिज, कूलर, पंखे, गीजर, पानी की टंकी, किराना सामान और बर्तन सहित पूरी गृहस्थी मलबे में दब गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार्रवाई के दौरान मकान का मलबा गिरता दिखाई दे रहा है वहीं, गली में सामान बिखरा पड़ा है। घटना शनिवार देर शाम की है। मामला रविवार को तब सामने आया जब परिवार मुआवजे के लिए प्रशासन से गुहार लगाने पहुंचा।

पीड़ित दीपक राव सावदेकर ने बताया कि क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से नीचे की ओर चौड़ीकरण का काम चल रहा था। खतरे को देखते हुए परिवार शुक्रवार रात अस्थायी रूप से डायमंड कॉलोनी स्थित रिश्तेदार के घर चला गया था। शनिवार सुबह पड़ोसियों से मकान गिरने की सूचना मिली। परिवार का आरोप है कि प्रशासन ने न तो स्पष्ट जानकारी दी और न ही सामान निकालने के लिए पर्याप्त समय दिया। घटना के बाद परिवार अब किराए के मकान में रहने को मजबूर है। हादसे के बाद आसपास के लोगों में डर का माहौल है। स्थानीय निवासी कुणाल ने बताया कि पास के तीन मकान पहले ही धंस चुके हैं और अब उनका मकान भी गिरने का खतरा बना हुआ है। इसी वजह से उन्होंने भी घर खाली कर दिया है। बताया जा रहा है कि करीब 15 परिवार इस कार्रवाई से प्रभावित हो रहे हैं।

महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं के साथ दर्शन के नाम पर ठगी, महाकाल मंदिर दर्शन के नाम पर लिए 5 हजार रुपए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से ठगी का मामला सामने आया है। महाराष्ट्र से दर्शन करने आए तीन युवकों से नंदी हॉल में प्रोटोकॉल दर्शन कराने का झांसा देकर 5 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए गए। मामले में महाकाल थाना पुलिस ने आरोपी आशुतोष शर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पुणे, महाराष्ट्र निवासी शार्दुल कांबले, मानव गायकवाड़ और तन्मय भालेकर 13 मई को बाबा महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचे थे। शार्दुल के भाई का पहले आशुतोष शर्मा नाम के व्यक्ति से संपर्क हुआ था। उस दौरान आरोपी ने खुद को मंदिर में प्रोटोकॉल दर्शन कराने वाला बताकर भविष्य में आने पर संपर्क करने की बात कही थी। इसी भरोसे पर युवकों ने आशुतोष शर्मा से संपर्क किया। आरोपी ने नंदी हॉल में बैठाकर विशेष दर्शन कराने के नाम पर उनसे 5 हजार रुपए ऑनलाइन गूगल-पे के माध्यम से ट्रांसफर करवा लिए। श्रद्धालुओं के अनुसार पैसे लेने के बाद एक गार्ड उन्हें लेने आया, लेकिन वह उन्हें बैरिकेड्स के पास छोड़कर चला गया। काफी इंतजार के बाद भी जब नंदी हॉल से दर्शन नहीं हुए तो युवकों को ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने मंदिर प्रशासन से शिकायत की। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी आशुतोष शर्मा ने प्रोटोकॉल दर्शन बुक कराए थे। इस संबंध में मंदिर प्रशासन को सूचना दिए जाने के बाद मामला महाकाल थाने पहुंचा, जहां पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

गर्मी के कपास की बोवनी शुरू हुई, 20 के बाद आएगी तेजी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • निमाड़ के किसानों ने सफेद सोना कही जाने वाली कपास फसल की बोवनी शुरू कर दी है। हालांकि अभी इक्का-दुक्का किसानों ने ही बोवनी शुरू की है। अभी अधिकांश किसान शादी-ब्याह या खेत बनाने में व्यस्त हैं। 20 मई से बोवनी में तेजी आएगी, क्योंकि हर साल इसी तारीख के आसपास अधिकांश किसान बोवनी करते हैं। विदित रहे क्षेत्र के 90% खेतों में कपास बोया जाता है। कपास की फसल पर किसान की वर्ष भर की आजीविका निर्भर रहती है। बोवनी के साथ किसानों को सिंचाई भी करना पड़ती है। क्षेत्र में बिजली सप्लाय का शेड्यूल सुबह 11 से शाम 4.30 बजे होने से किसानों को तेज धूप में सिंचाई करना पड़ रहा है। किसानों ने विद्युत कंपनी से शेड्यूल में बदलाव करने की मांग की है।

पुलिया से नीचे गिरी स्कूटी, छात्र सड़क पर गिरा तो छात्रा नाले में जा लटकी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • बड़गांव भीला रोड़ पर शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। कोचिंग से घर लौट रहे छात्र और छात्रा की स्कूटी अचानक अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे नाले में जा गिरी। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दोनों छात्र पुलिया से नीचे गिरते दिखाई दे रहे हैं। घटना के दौरान छात्र रोड़ पर गिरा और छात्रा नाले में गिरते हुए पुल से लटक गई। पुलिया की गहराई कम होने से दोनों की जान बच गई। हालांकि लड़के के पैर में चोट आई है, जबकि पीछे बैठी छात्रा भी स्कूटी समेत नीचे गिर पड़ी थी। इसके बाद युवक ने छात्र को हाथ देकर बाहर निकाला। पुलिया के आसपास मौजूद लोगों और राहगीरों ने दोनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। सामने आए वीडियो में दिखाई दे रहा है कि छात्र और छात्रा स्कूटी से अपने घर की ओर जा रहे थे। दोनों कोचिंग गए हुए थे। जैसे ही वे बड़गांव भीला रोड़ स्थित पुलिया से गुजर रहे थे, स्कूटी अचानक असंतुलित हो गई और सीधे पुलिया के नीचे जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाद में काफी मशक्कत के बाद स्कूटी को नाले से बाहर निकाला गया।

पुलिस-प्रशासन ने पटाखा गोदामों के लाइसेंस, स्टॉक और फायर सेफ्टी की जांच की

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • देवास जिले में हाल ही में हुए पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट के बाद खंडवा प्रशासन अलर्ट मोड पर है। रविवार को खंडवा में पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त अभियान चलाकर पटाखा गोदामों और विस्फोटक सामग्री भंडारण स्थलों की जांच की। अधिकारियों ने खालवा और खंडवा शहर के विभिन्न गोदामों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की पड़ताल की। जांच के दौरान अधिकारियों ने संचालकों के लाइसेंस, दस्तावेज, स्टॉक रजिस्टर और सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की। वहीं अवैध भंडारण, क्षमता से अधिक सामग्री रखने और सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र तारनेकर के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। खंडवा शहर में सीएसपी अभिनव बारंगे, सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर और थाना स्टाफ ने निरीक्षण किया। वहीं खालवा क्षेत्र में एसडीओपी लोकेंद्रसिंह ठाकुर, एसडीएम हरसूद, थाना प्रभारी और प्रशासनिक टीम ने जय अंबे ट्रेडर्स मैगजीन संदलपुर समेत अन्य पटाखा गोदामों की जांच की।

अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में तेज गर्मी और सूखे मौसम के चलते पटाखा एवं विस्फोटक सामग्री वाले गोदामों में आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सुरक्षा मानकों का पालन बेहद जरूरी है। निरीक्षण के दौरान फायर सेफ्टी उपकरण, आपात निकास, भंडारण क्षमता और गोदामों की स्थिति पर विशेष फोकस रखा गया। देवास में हुए विस्फोटक हादसे के बाद सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। मामले में लापरवाही सामने आने के बाद एक डीएसपी स्तर के अधिकारी पर भी कार्रवाई हो चुकी है।

4 साल से टूटा पड़ा सिंगाजी प्रवेश द्वार, राशि मंजूर फिर भी मरम्मत नहीं की

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • संत सिंगाजी समाधि स्थल तक पहुंचने वाले एप्रोच मार्ग पर बना प्रवेश द्वार 4 साल 10 माह से टूटा पड़ा है। ट्रक की टक्कर से यह द्वार टूटा था जो तभी से जमीन पर पड़ा है। इससे न केवल श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है बल्कि मार्ग से जुड़े छह गांवों के ग्रामीणों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा संत सिंगाजी समाधि स्थल को धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की घोषणा के बावजूद अब तक यहां मूलभूत व्यवस्थाएं तक दुरुस्त नहीं हो सकी हैं।

'पानी का खेल' बेनकाब, 70 टैंकर भराए लेकिन रजिस्टर से रिकॉर्ड गायब, निरीक्षण में खुलासा

खोले जा रहे थे वाल्व, इसलिए आधी भर रही थीं टंकियां, रात के अंधेरे में नर्मदा का पानी चोरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में इस समय भीषण जल संकट से जूझ रहा है। शहर के कई इलाकों में लोग टैंकरों के भरोसे हैं, पानी के लिए लाइनें लग रही हैं, लेकिन इसी बीच नगर निगम की पानी सप्लाई व्यवस्था में बड़ा खेल सामने आया है। बर्फानी धाम स्थित पानी की टंकी से दो दिनों में करीब 70 टैंकर पानी भराए गए, मगर हैरानी की बात यह है कि इन टैंकरों की एंट्री रिकॉर्ड रजिस्टर में ही नहीं मिली। मामला सामने आते ही नगर निगम में हड़कंप मच गया। यह खुलासा उस समय हुआ जब अपर आयुक्त आशीष पाठक ने मौके पर पहुंचकर पानी सप्लाई व्यवस्था और रिकॉर्ड की जांच की।

70 टैंकर गए तो हिसाब कहां है: निरीक्षण के दौरान जब रजिस्टर चेक किया गया तो पानी सप्लाई और दर्ज रिकॉर्ड में बड़ा अंतर सामने आया। सूत्रों के मुताबिक दो दिनों में लगभग 70 टैंकर पानी भरने की जानकारी मिली, लेकिन रजिस्टर में उनकी एंट्री ही गायब थी। अपर आयुक्त आशीष पाठक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से सीधा सवाल किया-जब रिकॉर्ड ही नहीं है तो टैंकरों का भुगतान किस आधार पर किया जाएगा? यह सवाल उठते ही मौके पर मौजूद अधिकारी और संबंधित पार्षद एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते नजर आए। किसी के पास स्पष्ट जवाब नहीं था।

शहर में इस वक्त पानी सबसे बड़ी जरूरत बना हुआ है। ऐसे समय में पानी सप्लाई व्यवस्था में रिकॉर्ड गायब होना सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि बड़े फर्जीवाड़े की आशंका भी पैदा कर रहा है। पूरा मामला कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है- क्या बिना रिकॉर्ड के टैंकर भराए जा रहे थे? क्या पानी सप्लाई में फर्जी बिलिंग की तैयारी थी? क्या निगम को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है? क्या पानी का अवैध डायवर्जन हो रहा था? आखिर 70 टैंकरों का पानी गया कहां?

नोटिस किए जारी-मामले को गंभीर मानते हुए अपर आयुक्त आशीष पाठक ने जोन-8 के अधिकारी शरद सोनी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पूरे रिकॉर्ड और टैंकर सप्लाई की जांच की तैयारी शुरू कर दी गई है। अब यह जांच सिर्फ 70 टैंकरों तक सीमित रहेगी या शहर की पूरी पानी सप्लाई व्यवस्था की परतें खोलेगी इस पर सबकी नजर है।

जल संकट में बढ़ा जल घोटाले का शक

इंदौर में पहले ही पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। कई क्षेत्रों में एक दिन छोड़कर सप्लाई हो रही है, लोग निजी टैंकरों से महंगा पानी खरीदने को मजबूर हैं। ऐसे में निगम की पानी टंकियों से रिकॉर्ड गायब होना लोगों के गुस्से को और बढ़ा सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब आम नागरिकों को एक-एक बूंद का हिसाब देना पड़ रहा है, तब सरकारी सिस्टम में पानी का हिसाब ही गायब होना बेहद गंभीर मामला है। सूत्रों के मुताबिक निरीक्षण के दौरान जब जवाब मांगा गया तो मौके पर मौजूद अधिकारी और जिम्मेदार कर्मचारी चुप्पी साध गए। कुछ ने तकनीकी गड़बड़ी की बात कही तो कुछ ने जिम्मेदारी दूसरे विभाग पर डाल दी। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि रजिस्टर में एंट्री नहीं हुई तो क्या टैंकर बिना किसी आधिकारिक निगरानी के पानी भर रहे थे?

शहर में गहराते जल संकट के बीच नगर निगम की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। में कुछ लोग रात के समय पानी सप्लाई लाइन के वाल्व से छेड़छाड़ कर रहे हैं, जिसके कारण कई पानी की टंकियां पूरी भर ही नहीं पा रहीं। यही वजह है कि शहर के कई इलाकों में पानी का दबाव कम हो रहा है और लोगों को पर्याप्त सप्लाई नहीं मिल पा रही। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम ने दो विशेष सर्च टीमें बनाई थीं। इन टीमों ने शुक्रवार रात 9 बजे से शनिवार सुबह 5 बजे तक शहर की 16 प्रमुख पानी टंकियों और उनके वाल्व की जांच की। जांच के दौरान चार स्थानों पर वाल्व से छेड़छाड़ के सबूत मिले।

इन इलाकों में सबसे ज्यादा असर

टंकियां कम भरने के कारण शहर के अन्नपूर्णा, द्रविड़ नगर, सदर बाजार, छत्रीबाग, सुभाष चौक, नरवल, राज मोहल्ला, गांधी हॉल, भक्त प्रहलाद नगर, स्कीम- 103, कुशवाह मोहल्ला, टिगरिया, एमओजी लाइन, मल्हार आश्रम, लोकमान्य नगर, बाणगंगा, महाराणा प्रताप नगर, जिन्सी और अगरबत्ती कॉम्प्लेक्स सहित कई क्षेत्रों में पानी की किल्लत बनी हुई है।

रात में हो रही थी पानी की चोरी: नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक कुछ लोग रात के अंधेरे में वाल्व खोल देते हैं, जिससे पाइपलाइन का प्रेशर बिगड़ जाता है। नतीजतन पानी की टंकियां पूरी क्षमता तक नहीं भर पातीं और सुबह कई कॉलोनियों में पानी संकट खड़ा हो जाता है। जांच में शिवानी होटल के सामने, गंगवाल बस स्टैंड, जिन्सी और लालबाग क्षेत्र के पास वाल्व से छेड़छाड़ पाई गई। हालांकि गड़बड़ी करने वाले लोग मौके पर नहीं मिले। जलप्रदाय विभाग की इस कार्रवाई की मॉनिटरिंग विभाग प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू और अपर आयुक्त आशीष पाठक ने की। दोनों अधिकारी बिजलपुर स्थित नर्मदा कंट्रोल रूम से देर रात तक निगरानी करते रहे।

शराब ठेकेदार सूरज रजक को बाउंड ओवर का नोटिस, 300 करोड़ की जमीन पर कब्जे का मामला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शराब ठेकेदार और मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) में मालवा स्टैलियंस टीम के मालिक सूरज रजक मुश्किलों में घिर गए हैं। शराब दुकान के लिए 300 करोड़ की जमीन पर कब्जे की कोशिश में पहले ही केस हो चुका है। अब पुलिस उनकी हरकतों को देखते हुए बाउंड ओवर की प्रक्रिया कर रही है।

टीवी एक्ट्रेस रेमन कक्कड़ की शिकायत पर सूरज रजक के खिलाफ 04 अप्रैल को लसूडिया पुलिस ने केस दर्ज किया था। अब इस

मामले में पुलिस ने रजक पर सख्ती के लिए बाउंड ओवर की तैयारी कर ली है। इसके लिए पुलिस ने सूरज रजक पर दर्ज पुराने अपराधों के रिकॉर्ड निकाले हैं। रजक को पुलिस ने बाउंड ओवर के लिए नोटिस जारी कर दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने द सूत्र को इसकी पुष्टि की है।

मुंबई की टीवी एक्ट्रेस रेमन कक्कड़ मूल रूप से इंदौर की निवासी हैं। टीवी एक्ट्रेस ने इस मामले में शिकायत की थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि निपानिया में सर्वे नंबर 414 की दो हेक्टेयर जमीन पर कब्जे की कोशिश की गई। इस जमीन की कीमत करीब 300 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह जमीन उनकी मां नरेंद्र कौर सलूजा, भाई पुष्पेंद्र सलूजा और रणधीर सलूजा के संयुक्त स्वामित्व में है।

शिकायत के अनुसार, इस जमीन में से 6000 वर्गफीट जमीन रजक ने उनके पति ऋषि कक्कड़ से फोन पर शराब दुकान के लिए किराए पर मांगी थी। परिवार ने मना कर दिया था। इसके बाद उन्होंने बड़े भाई रणधीर से भी बात की, लेकिन उन्होंने भी इनकार कर दिया था।

700 करोड़ का होम्स प्रोजेक्ट अटका, 4.82 करोड़ के विवाद के कारण टीएंडसीपी निरस्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के हाल ही के सबसे महंगे प्रोजेक्ट में से एक हैदराबाद की रियल एस्टेट कंपनी एमपीएम होम्स को तगड़ा झटका लगा है। पूरे 700 करोड़ के लग्जरी फ्लैट के प्रोजेक्ट में जमीन स्वामित्व का केवल 4 करोड़ 82 लाख का विवाद भारी पड़ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का आदेश रद्द कर दिया है। वहीं टीएंडसीपी ने प्रोजेक्ट की मंजूरी निरस्त कर दी है। इंदौर ने एमपीएम होम्स पार्टनर अन्नपूर्णा माहेश्वरी, गिरीश मालपानी, श्रुति मालपानी पति गिरीश मालपानी के इस प्रोजेक्ट की

टीएंडसीपी रद्द कर दी है। इस संबंध में संयुक्त संचालक टीएंडसीपी डॉ. शुभाशीष बैनर्जी ने आदेश जारी कर दिया है। आश्चर्य की बात यह है कि यह लगभग 700 करोड़ का प्रोजेक्ट महज पांच करोड़ के लेन-देन विवाद के कारण अटक गया है। इसमें वह लोग उलझ गए हैं जिन्होंने पहले से ही यहां लग्जरी फ्लैट के लिए बुकिंग कर ली थी। मेसर्स एमपीएम ने बिचौली हप्सी पटवारी हल्का नंबर 53 के सर्वे नंबर की 2.409 हेक्टेयर जमीन का सौदा अप्रैल 2019 में अमरजोत डेवलपर्स एंड फाइनेंस प्रा. लि. से किया था। यह सौदा 9.92 करोड़ रुपए में हुआ था। इसमें पांच करोड़ नौ लाख रुपए का भुगतान हो गया है। वहीं बाकी 2.41 व 2.41 के दो पोस्ट डेटेड चेक (कुल 4.82 करोड़) अमरजोत कंपनी को दिए गए। इसमें अगस्त और नवंबर 2019 को भुगतान की तारीख थी। इस पोस्ट डेटेड चेक के आधार पर रजिस्ट्री हो गई थी, लेकिन कंपनी द्वारा इस राशि का कभी भुगतान ही नहीं किया गया। प्रोजेक्ट संचालकों ने रजिस्ट्री के आधार पर टीएंडसीपी से 8 जनवरी 2025 को मंजूरी ले ली थी।

योजनाओं में ढिलाई बरती निजी स्कूलों को नोटिस

बैठकों में नहीं आए तो होगी मान्यता रद्द

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पढ़ने वाले बच्चों को सरकारी स्कूलों में तो सरकारी योजनाओं का लाभ मिल जाता है, लेकिन निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को कई तरह का लाभ दिया जाता है, लेकिन उन्हें जानकारी नहीं होने के कारण लाभ नहीं मिला पाता। इसका फायदा निजी स्कूल संचालक उठाते है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा, क्योंकि शिक्षा विभाग ने निजी स्कूलों पर सख्ती कर दी है और बच्चों को हर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए उनको कहा जा रहा है। शिक्षा विभाग के जिला परियोजना अधिकारी संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि शनिवार को दो सत्रों में निजी स्कूलों के संचालकों व प्राचार्यों के साथ बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें सुबह के सत्र में देपालपुर व महू ब्लॉक के स्कूलों को बुलाया गया था। उन्होंने बताया कि 5 मई से हमारी प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले ब्लॉक स्तर पर स्कूलों को समझाइश दी थी, उन्हें बैठकों में बुलाया गया था, लेकिन कई स्कूल नहीं पहुंचे। उन्हें नोटिस दिया गया, फिर अब जाकर ये स्कूल संचालक डीपीसी के समक्ष उपस्थित हुए।

बड़े स्कूल वाले बरतते हैं लापरवाही-डीपीसी मिश्रा ने बताया की शासन की योजनाएं है उनकी हर गतिविधियों की जानकारी पोर्टल पर भेजना होती है, जैसे यूडाइस, एजुकेशनल पोर्टल 3.0, बच्चों का प्रमोशन अपार आईड़ी बनाने का काम स्कूलों को करना है, लेकिन कई स्कूल संचालक यह कार्य नहीं कर रहे थे। ऐसे स्कूल संचालकों को बैठक में बुलाया गया और उन्हें समझाइश दी गई।

इंदौर में करीब 9 लाख धान

इंदौर जिला प्रदेश में सबसे बडा है और यहां सरकारी और निजी स्कूल में नर्सरी से लेकर 12वीं तक लगभग आठ लाख 90 हजार छात्र है, जिनका डेटा पोर्टल पर अपलोड करना पड़ता है। उनकी हर जानकारी पोर्टल पर भेजना पड़ती है। फिलहाल बच्चों की छुट्टियां चल रही है, जिसके चलते ये सभी कार्य इस माह पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। पोर्टल पर इंदौर गत सप्ताह 55वें नंबर पर था, लेकिन कार्य में प्रगति के बाद इंदौर 45 से 50 के मध्य स्थित लोगों की उपस्थिति पर निर्भय करेगा।

निगम आयुक्त ने शुरू की सुधार की पहल

डिग्री के विपरीत विभागों की जिम्मेदारी

उद्यान और विद्युत विभाग संभाल रहे सिविल इंजीनियर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम में अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। निगम के कई विभागों में अधिकारियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता और तकनीकी डिग्री के विपरीत जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। हालात यह हैं कि सिविल इंजीनियर विद्युत और उद्यान विभाग संभाल रहे हैं, जबकि संबंधित विषय के विशेषज्ञ अधिकारियों की अनदेखी की जा रही है। निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अब इस व्यवस्था में सुधार की पहल की है। उन्होंने स्थापना विभाग को निर्देश दिए हैं कि सभी विभागों में पदस्थ अधिकारियों की

शैक्षणिक योग्यता और तकनीकी डिग्री की जांच की जाए तथा संबंधित विषय के अनुसार ही जिम्मेदारियां तय की जाएं। योग्यता की जांच आयुक्त सिंघल ने स्पष्ट किया कि यदि कोई अधिकारी विपरीत विभाग में कार्यरत पाया जाता है, तो उसका विभाग बदला जाएगा। नगर निगम में अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं, जहां अधिकारी आसान या लाभ वाले विभागों में पदस्थ होने की कोशिश करते हैं। कई बार जनप्रतिनिधियों के दबाव और कर्मचारियों की कमी के कारण भी अधिकारियों को उनके विषय से अलग विभागों की जिम्मेदारी दे दी जाती है।

जनकार्य विभाग में सामने आया मामला- हाल ही में जनकार्य विभाग में ऐसा ही एक मामला सामने आया। यहां कार्यपालन यंत्री का पद मैकेनिकल इंजीनियर श्रीकांत काटे को दे दिया गया था। शिकायत मिलने पर आयुक्त ने जांच करवाई, जिसमें पाया गया कि मैकेनिकल इंजीनियर को जनकार्य विभाग की जिम्मेदारी देना तकनीकी रूप से गलत था। इसके बाद आयुक्त ने श्रीकांत काटे को विभाग से हटाकर उनकी जगह सिविल इंजीनियर पीएस कुशवाहा को कार्यपालन यंत्री नियुक्त किया। नगर निगम के विद्युत विभाग में भी इसी तरह की स्थिति बनी हुई है। यहां कार्यपालन यंत्री अश्विन जनवदे सिविल इंजीनियर हैं, जबकि उन्हें विद्युत विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

239 करोड़ से बन रही रोड़ चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट, देपालपुर-इंगोरिया सड़क 15 दिन में उखड़ी

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

प्रदेश की मोहन सरकार वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों में जोर-शोर से जुटी हुई है। इसके तहत श्रद्धालुओं और आम जनता के आवागमन को सुलभ बनाने के लिए करोड़ों रुपये के विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी कड़ी में देपालपुर-इंगोरिया मार्ग पर करीब 239 करोड़ रुपये की लागत से सीमेंट-कंक्रीट रोड का निर्माण किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की निगरानी में इस सड़क का निर्माण राजस्थान की कंपनी द्वारा किया जा रहा है। लेकिन, शुरुआत से ही विवादों में रही इस कंपनी और जिम्मेदार अधिकारियों की साठगांठ के कारण अब यह महत्वाकांक्षी परियोजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है।

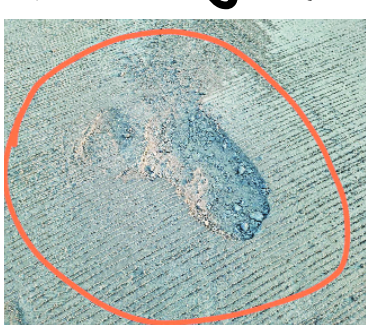

बिना अनुमति तालाबों को खोदा, किसानों के विरोध के बाद भी प्रशासन रहा मौन-शुरुआती काम के दौरान ही ठेकेदार कंपनी पर बिना किसी वैध अनुमति के स्थानीय तालाबों को अवैध रूप से खोदने के गंभीर आरोप लगे हैं। कंपनी ने तालाबों से हजारों डंपर मिट्टी और मुरम निकालकर सरकार को लाखों रुपये के राजस्व का चूना लगाया। स्थानीय किसानों के भारी विरोध के बावजूद ठेकेदार की मनमानी नहीं रुकी और तालाबों को गहरे कुओं में तब्दील कर दिया गया। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने रहे।

मिट्टी का भराव और तराई में लापरवाही, पुरानी पुलिया पर ही तान दी सड़क-अब ग्रामीणों ने MPRDC के अधिकारियों और कंपनी पर मिलकर घटिया सड़क निर्माण करने का सीधा आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान नियमों को ताक पर रख दिया गया है। सड़क के बेस (आधार) में मानक के अनुरूप मुरम डालने की जगह मिट्टी का भराव कर दिया गया और उसकी ठीक से रोलिंग (दबाई) भी नहीं की गई। इतना ही नहीं, सड़क पर पानी का छिड़काव (तराई) भी नहीं किया जा रहा है। निर्माण में गुणवत्ता के आधार पर सामग्री का उपयोग नहीं की जा रही है और रोड में मात्र चार से पांच इंच माल ही डाल कर रोड बनाया जा रहा है सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आलम यह है कि पुरानी जर्जर हो चुकी पुलियाओं का नवनिर्माण करने के बजाय, उसी जर्जर ढांचे के ऊपर ही नई सड़क बना दी गई है, जो भविष्य में किसी बड़े हादसे को आमंत्रण दे रही है।

15 दिन में ही बिगड़ा संतुलन, जगह-जगह गड्ढे और उखड़ी गिट्टी

देपालपुर से इंगोरिया के बीच इस सीसी रोड का निर्माण टुकड़ों-टुकड़ों में करके उस पर वाहनों का आवागमन भी शुरू कर दिया गया है। लेकिन ठेकेदार और अधिकारियों के दावों की पोल तब खुली, जब फरकोदा और मेडकवास के बीच नवनिर्मित सड़क को देखा गया। इस हिस्से को चालू हुए महज 15 दिन ही हुए हैं, लेकिन इतने कम समय में ही सड़क का संतुलन बिगड़ गया है। सड़क जगह-जगह से ऊंची-नीची हो गई है और कुछ स्थानों पर तो अभी से गड्ढे पड़ गए हैं।

सिंहस्थ से पहले ही दम तोड़ देगी सड़क!

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जब शुरुआती हल्के वाहनों के चलने से ही सड़क की यह दुर्दशा हो रही है, तो भविष्य में जब इस मार्ग पर भारी वाहनों का दबाव बढ़ेगा, तब इसका क्या हाल होगा? ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि इस निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच नहीं की गई, तो यह करोड़ों की सड़क सिंहस्थ आने से पहले ही पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी। जो सड़क सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं के यातायात को सुलभ बनाने के लिए बनाई जा रही है, वह लोगों के लिए जानलेवा मुसीबत बन जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।